ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 12 Issue No. 23 Faridabad (NCR) Monday, 01-15 January 2024 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 Page : 8

देश के आर्थिक विकास को गाय पालन के माध्यम से भी दी जा सकती है अतुलनीय गति

सनातन संस्कृति के अनुसार भारत में गाय को माता का दर्जा प्रदान किया गया है। माता अपने बच्चों का लालन पालन करती है, इसी प्रकार की संज्ञा गाय माता को भी दी गई है क्योंकि प्राचीन काल में भारत के ग्रामीण इलाकों में कई परिवारों का लालन पालन गाय माता के सौजन्य से ही होता रहा है। आज के खंडकाल में न्यूजीलैंड, डेनमार्क एवं स्विजरलैंड जैसे कुछ देशों ने अपनी अर्थव्यवस्था को गाय के दूध से निर्मित विभिन्न डेयरी पदार्थों का भारी मात्रा में पूरे विश्व को निर्यात कर अपनी अर्थव्यवस्थाओं को विकसित श्रेणी की अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। विश्व के एक कोने में बसा एक देश है न्यूजीलैंड, जिसकी कुल आबादी केवल 52 लाख है। इस देश का प्रत्येक नागरिक भारत के नागरिक से 25 गुना अधिक अमीर है। यह अलग थलग बसा हुआ देश है फिर भी इनके पास कुछ ऐसा है जो इन्हें इतना अमीर एवं विकसित देश बनाता है और वह पदार्थ है गाय माता का दूध। दुग्ध से निर्मित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों में पहुंचाकर न्यूजीलैंड आज विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है। न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था को केवल मानव नहीं बल्कि गाय माता भी चलाती है। न्यूजीलैंड में मानव से ज्यादा गाय की संख्या है। न्यूजीलैंड में गाय की कुल आबादी 61 लाख से अधिक है। भारत जनसंख्या की दृष्टि से आज विश्व में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है और न्यूजीलैंड आकार में भारत से 12 गुना छोटा है एवं जनसंख्या की दृष्टि से 260 गुना छोटा है। परंतु, भारत केवल 597,000 टन डेयरी उत्पाद का निर्यात करता है और न्यूजीलैंड 18,772,000 टन डेयरी उत्पाद का निर्यात करता है। डेयरी उत्पाद के निर्यात से ही न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था चलती है, इस देश के नागरिकों को अमीर बनाती है और देश को विकसित अवस्था में ले जाती है। न्यूजीलैंड में फोंटेरा नामक एक सबसे बड़ी कम्पनी है और यह कम्पनी कोआपरेटिव के क्षेत्र

में किसानों द्वारा बनाई गई कम्पनी है। जिस प्रकार भारत में अमूल कम्पनी को विकसित किया गया है। न्यूजीलैंड की फोंटेरा नामक कम्पनी दुनियाभर के 30 प्रतिशत डेयरी उत्पाद का निर्यात करती है। इस कम्पनी के उत्पाद दुनिया के 140 देशों में बिकते हैं और यह कम्पनी 10,000 नागरिकों को सीधा रोजगार प्रदान करती हैं। पूरे विश्व में आज भारत सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाला राष्ट्र बन तो गया है। परंतु, दुग्ध पदार्थों से निर्मित उत्पादों का निर्यात करने में भारत आज भी बहुत अधिक पीछे है। भारत में प्रतिवर्ष 20.90 करोड़ टन दूध का उत्पादन हो रहा है। अमेरिका में 10.27 करोड़ टन, चीन में 4.12 करोड़ टन, ब्राजील में 3.66 करोड़ टन, जर्मनी में 3.32 करोड़ टन, रूस में 3.23 करोड़ टन, फ्रांस में 2.58 करोड़ टन और न्यूजीलैंड में 2.19 करोड़ टन दूध का उत्पादन हो रहा है। पूरे विश्व में 100 करोड़ से अधिक पशुधन है और भारत में 30.8 करोड़, ब्राजील में 23.2 करोड़, चीन में 10.2 करोड़ एवं अमेरिका में 8.9 करोड़ पशुधन है। भारत में पशुधन से दूध निकालने की क्षमता बहुत कम है जबकि अन्य विकसित देशों में नई तकनीकी को अपनाए जाने के कारण इस क्षेत्र में उत्पादकता तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है। न्यूजीलैंड के कुल निर्यात में डेयरी उत्पादों के निर्यात का हिस्सा 23 प्रतिशत है। इसी प्रकार डेनमार्क की अर्थव्यवस्था भी डेयरी उत्पादों पर निर्भर है। डेनमार्क में कृषि के क्षेत्र से निर्यात किए जाने वाले उत्पादों में डेयरी उत्पादों का हिस्सा 20 प्रतिशत है। डेनमार्क से मक्खन, पनीर एवं अन्य डेयरी उत्पाद 150 देशों को भारी मात्रा में निर्यात किए जाते हैं। स्विजरलैंड में भी कुल कृषि उत्पाद में डेयरी उद्योग का हिस्सा 20 प्रतिशत है। ऐसा सामान्यतः कहा जाता है कि जो देश कृषि प्रधान होते हैं वे अन्य देशों जो उद्योग एवं सेवा क्षेत्र पर अधिक निर्भर होते हैं की तुलना में कम विकसित रहते हैं। परंतु, न्यूजीलैंड, डेनमार्क एवं स्विट्जरलैंड जैसे देशों के नागरिकों ने कृषि क्षेत्र पर अपनी निर्भरता बनाए रखते हुए और अधिकतम डेयरी उत्पादों के दम पर अपने देश को विकसित देश बना लिया है। न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 7 प्रतिशत है, परंतु न्यूजीलैंड से निर्यात किए जाने वाले प्रथम 10 उत्पादों में से 6 उत्पाद कृषि क्षेत्र से आते हैं, इनमे डेयरी उत्पादों का निर्यात सबसे अधिक है। कुल निर्यात का 60 प्रतिशत हिस्सा डेयरी उत्पाद सहित कृषि क्षेत्र से होता है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क एवं स्विट्जरलैंड की अर्थव्यवस्था को गति देने में वहां के नागरिकों के साथ साथ गाय माता का भी अत्यधिक योगदान है।

केवल गायों की संख्या अधिक होने से अर्थव्यवस्था को बल नहीं मिलता है। इन गायों को हृष्ट पुष्ट रखना भी आवश्यक है। यह तभी सम्भव है जब किसानों को गाय पालन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। 200 वर्ष पूर्व तक न्यूजीलैंड में एक भी गाय नहीं थी। परंतु, न्यूजीलैंड में चारा भरपूर मात्रा में उपलब्ध था। चूंकि न्यूजीलैंड भी एक ब्रिटिश कोलोनी बन गया था, अतः न्यूजीलैंड में चारे की भरपूर उपलब्धि को देखते हुए ब्रिटेन से गायें लाकर यहां बसाई गई। इसके बाद से तो न्यूजीलैंड ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कालांतर में वहां गाय सहित पशुधन की संख्या अपार गति से बढ़ती गई। वर्ष 1900 आते आते रेफ्रिजरेटर के अविष्कार के बाद से तो न्यूजीलैंड डेयरी उत्पादों का निर्माण करने लगा, हालांकि इसके पूर्व इस देश की निर्भरता कृषि उत्पादों पर ही अधिक थी, इन कृषि उत्पादों को यूरोपीयन देशों को बेचा जाता था। प्रथम विश्व युद्धकाल के दौरान ब्रिटेन के सैनिकों को डेयरी उत्पादों की अत्यधिक आवश्यकता थी और ब्रिटेन ने न्यूजीलैंड में डेयरी उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा दिया, इसके बाद से तो यहां के डेयरी उत्पाद लगभग पूरे विश्व में ही बेचे जाने लगे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी न्यूजीलैंड ने भारी मात्रा में डेयरी उत्पादों का ब्रिटेन को निर्यात किया था। उस समय ब्रिटेन के सहयोग से न्यूजीलैंड से निर्यात होने वाले कुल उत्पादों में डेयरी उत्पाद एवं भेड़ों का हिस्सा 90 प्रतिशत तक पहुंच गया था। न्यूजीलैंड में निर्मित डेयरी उत्पादों के लिए ब्रिटेन एक भरोसेमंद सबसे बड़ा बाजार था जहां न्यूजीलैंड के उत्पादों को बाजार मूल्य भी अच्छा मिलता था क्योंकि ब्रिटेन को उस समय पर खाद्य पदार्थों की सख्त आवश्यकता थी।

वर्ष 1955 में ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के डेयरी उत्पादों का बाजार मूल्य कम होने लगा।

भारत के लिए वर्ष 2024 भी सुनहरा वर्ष साबित होने जा रहा है

विश्व के कुछ देश वर्ष 2024 में मंदी की मार झेल सकते हैं, यह कुछ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का आंकलन है। परंतु, वैश्विक स्तर पर अर्थव्यस्था के गिरने की सम्भावनाओं के बीच एक देश ऐसा भी है, जिस पर समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक, की नजरें टिकी है, वह है भारत। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति समस्त विदेशी वित्तीय संस्थान आशावान हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को अब भारत ही सहारा देने की क्षमता रखता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा।

तीसरे, वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 16 प्रतिशत का रहने वाला है। भारत आने वाले समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के विकास में एक इंजिन के रूप में अपना योगदान देने को तैयार है। भारत ने वर्ष 2023 में विश्व में कम होती विकास दर के बीच भी आकर्षक विकास दर हासिल की है। क्योंकि, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, लगातार कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। एक तो भारत ने आर्थिक व्यवहारों का डिजिटलीकरण किया है और इस क्षेत्र में पूरे विश्व को ही राह दिखाई है, इससे आर्थिक व्यवहारों की न केवल निपुणता बढ़ी है बल्कि लागत भी बहुत कम हुई है। दूसरे, केंद्र सरकार ने देश में आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए भारी भरकम राशि का पूंजीगत खर्च किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की गई थी एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की जा रही है। भारत में सड़क, रेल्वे एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत खर्च आगे आने वाले समय में किये जाने की योजना बनाई गई है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच आधारभूत संरचना के विकास हेतु 70 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किया गया था परंतु वर्ष 2024 से 2030 के बीच 143 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किए जाने की योजना बनाई जा रही है। तीसरे, भारत में केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों को कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने की भरपूर कोशिश की है, जिसका परिणाम इस वर्ग की संख्या में भारी भरकम कमी के रूप में देखने को मिला है। और फिर, अब तो यह वर्ग मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल होकर भारत में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में सहायक की भूमिका निभा रहा है, जिससे देश में ही विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में भारी वृद्धि हो रही है।

इसी प्रकार, विश्व के सबसे बड़े ऑफिस काम्प्लेक्स का निर्माण भारत में गुजरात राज्य के सूरत शहर में किया गया है। इस ऑफिस काम्प्लेक्स में 4,500 से अधिक हीरा व्यवसाईयों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस काम्प्लेक्स में कच्चे हीरे के व्यापारियों से लेकर पोलिश हीरे की बिक्री करने वाली कम्पनियों के ऑफिस एक ही जगह पर स्थापित किए जाएंगे। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग के नाम से इस काम्प्लेक्स, जो 67 लाख वर्गफुट से अधिक के क्षेत्र में फैला है, का उद्घाटन दिसम्बर 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्पन्न हुआ है।

अपराधों की चिंताजनक तस्वीर, महिलाओं के प्रति क्राइम में नहीं आई कोई कमी

एनसीआरबी' (राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो) की नवीनतम रिपोर्ट में एक बार फिर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की चिंताजनक तस्वीर उभरकर सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 4,28,278 और 2020 में 3,71,503 था। महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के ये मामले 2021 की तुलना में करीब चार प्रतिशत ज्यादा हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि सरकार महिला सशक्तिकरण का कितना भी दावा करे, वास्तविकता यही है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में कोई सुधार नहीं आया है। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर सर्वाधिक बताई गई है। दूसरे राज्यों के मुकाबले उत्तरप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में सर्वाधिक प्राथमिकी दर्ज हुई हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध में दिल्ली लगातार तीसरे साल 19 महानगरों में सबसे आगे है। सभी राजनीतिक दल चुनावों में घोषणा करते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे महिलाओं की सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगे, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। महिलाओं के प्रति अपराधों पर 'एनसीआरबी' के आंकड़ों से साफ पता चलता है कि महिलाएं स्वयं को कहीं भी सहज और सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। देश में शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी न हुई हो। विडंबना है कि महिलाओं पर अपराध के मामलों में अधिकतर पति, प्रेमी, रिश्तेदार या कोई अन्य करीबी शख्स ही आरोपी निकले। इन मामलों में महिलाओं के पति या रिश्तेदारों द्वारा 31.4 फीसद क्रूरता, 19.2 फीसद अपहरण, 18.7 फीसद बलात्कार की कोशिश और 7.1 फीसद बलात्कार करने के मामले शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश में बलात्कार के कुल 31,516 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सर्वाधिक 5399 मामले राजस्थान में, 3690 मामले उत्तरप्रदेश, 3029 मध्यप्रदेश, 2904 महाराष्ट्र और 1787 मामले हरियाणा में दर्ज किए गए। महिलाओं के प्रति अपराध के मामले में देश की राजधानी दिल्ली सबसे आगे है, जहां 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14247 मामले दर्ज किए गए। दिल्ली और राजस्थान जहां महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य हैं, वहीं दहेज के लिए जान लेने वालों में पहले स्थान पर उत्तरप्रदेश और दूसरे पर बिहार है।

उत्तरप्रदेश में दहेज के लिए 2138 और बिहार में 1057 महिलाओं की हत्या कर दी गई, जबकि मध्यप्रदेश में 518, राजस्थान में 451 और दिल्ली में 131 महिलाओं की हत्या दहेज के लिए की गई। 'एनसीआरबी' के अनुसार प्रति एक लाख जनसंख्या पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 में 64.5 फीसद से बढ़कर 2022 में 66 फीसद हो गई, जिसमें से 2022 के दौरान 19 महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48,755 मामले दर्ज किए गए। ये 2021 के 43,414 मामलों की तुलना में 12.3 फीसद ज्यादा हैं। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि तमाम दावों, वादों और नारों के बाद भी आखिर देश में ऐसे अपराधों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है?

कितनी चिंतनीय स्थिति है कि जिस भारतीय संस्कृति में नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है, वही नारी घर में भी सुरक्षित नहीं है। परिजनों के हाथों घरेलू हिंसा, दहेज हत्या, झूठी शान के लिए हत्या, बलात्कार और सहजीवन में जान गंवाने के मामले में स्थिति काफी दयनीय है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि महिलाएं न परिवार में, न आस-पड़ोस में और न ही बाहर के वातावरण में खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हैं। 'राष्ट्रीय

महिला आयोग' के आंकड़े देखें तो 2023 के 19 सितंबर तक ही महिलाओं के खिलाफ अपराध की कुल 20,693 शिकायतें मिलीं, जिनके इस वर्ष के अंत तक बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2022 में आयोग को 30,957 शिकायतें मिली थीं, जो 2014 के बाद सर्वाधिक थी। वर्ष 2014 में 30,906 और 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 30 हजार से ज्यादा शिकायतें मिली थी। आयोग ने तेजाब हमले, महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध, दहेज हत्या, यौन शोषण और दुष्कर्म जैसी कुल 24 श्रेणियों में शिकायत दर्ज की।

सर्वाधिक शिकायतें गरिमा के साथ जीने के अधिकार को लेकर दर्ज की गई, उसके बाद घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, छेड़खानी और बलात्कार की शिकायतें हैं। दिल्ली में 'निर्भया कांड' के बाद महिलाओं के प्रति अपराधों पर लगाम कसने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए, उससे लगा था कि समाज में संवदेनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्त्वों के हौसले पस्त होंगे, पर शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले सामने न आते हों। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन का भी गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखता है। यह निश्चित रूप से कानून-व्यवस्था और पुलिस-प्रशासन की उदासीनता का ही नतीजा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों में शायद ही कभी खौफ दिखता हो।

कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी-दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों, छेड़छाड़, मर्यादा हनन या फिर अपहरण, क्रूरता, आधी दुनिया के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्त्वों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। स्पष्ट है, केवल कानून कड़े कर देने से महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों पर लगाम नहीं कसी जा सकेगी। इसके लिए जरूरी है कि सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ उसकी जबाबदेही सुनिश्चित करें। ऐसे मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन की जिस तरह की भूमिका सामने आती रही है, वह काफी हद तक इसके लिए जिम्मेदार है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का काम करती रही है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी होगी?

सुंदर हैंडराइटिंग भी दिलाती है नंबर

हिन्दी में केवल पढ़ना या रटना पर्याप्त नहीं है। लेखन का अभ्यास बेहद जरूरी है। नियमित लेखन से लिखाई तो सुन्दर होगी ही, वर्तनी की त्रुटियां भी सुधरेंगी और विषय-वस्तु भी भली-भांति समझ आएगी। ध्यान रहे, हिन्दी के प्रश्न का दारोमदार मुख्यतः आपके स्पष्टीकरण और बढिया प्रेजेंटेशन पर टिका है। हिन्दी की तैयारी के लिए छात्रों को 2013 के प्रश्न पत्र के प्रारूप एवं अंक योजना में आए परिवर्तनों का पता होना भी बेहद जरूरी है। इसके अलावा सीबीएसई की वेबसाइट पर 2013 में टॉप पर रहे कुछ विद्यार्थियों की आंसरशीट भी डाली गई हैं, ताकि आगामी एग्जाम में बैठने वाले छात्रों को उनके द्वारा लिखे गए प्रश्नों के उत्तर और खास प्रेजेंटेशन के बारे में मालूम हो सके। कुछ मॉडल पेपर्स भी जरूर तैयार करें, क्योंकि ये मॉडल पेपर सीबीएसई एक्सपर्ट द्वारा ही बनाए जाते हैं और उसी तरह के प्रश्नों को 12वीं बोर्ड परीक्षा में पूछा जाता है।

प्रश्नों के उत्तर लिखने का तरीका

अध्ययन की कमी के कारण कुछ छात्रों के उत्तर 'टू दि प्वाइंट' नहीं होते। न तो वह पैराग्राफ बदलते हैं और न ही उनके लेखन में क्रमबद्धता होती है। इसके अलावा अन्य प्रश्नों में परीक्षक आपके विचार, आपके लिखने की शैली, लेखन क्षमता के तौर-तरीके व स्टेपवाइज दिए गए आंसर की परख करता है। थोड़ा आपके लेखन से भी प्रभावित होता है एग्जामिनर।

काव्य और गद्य इस तरह करें

काव्य खंड को हल करते समय छात्र इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि व्याख्या वाले प्रश्न में पहले, प्रसंग में कवि और कविता का नाम तथा व्याख्या में प्रसंगानुसार छात्र के विचार तथा विशेष में अलंकार, भाषा और शिल्प सौंदर्य को सिर्फ एक-एक लाइन में लिखें।

इसी तरह गद्यांश की व्याख्या में रचानाकार की मूलकृति तथा उसमें दिए गए 'मूल भाव' का याद करना और समझना बेहद जरूरी है। गद्यांश में परीक्षक यह देखता है कि छात्र को दी गई विषय-वस्तु की कितनी जानकारी है। इसमें छात्रों को भाव-विचार व शिल्प सौंदर्य को अवश्य तैयार करना चाहिए। ऐसा करने से ऐसे प्रश्नों में पूरे अंक मिलते हैं। दूसरा साहित्यकार का परिचय देते समय तीन उप शीर्षक जरूरी हैं। पहला संक्षिप्त जीवन परिचय, रचनाएं व भाषागत विशेषताएं। चरित्र-चित्रण वाले प्रश्नों को हल करते समय उन्हें अलग-अलग शीर्षकों में लिखें। अपठित काव्यांश व गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते समय सबसे पहले दो-तीन बार ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। गद्यांश व पद्यांश की पंक्तियों को ज्यों का त्यों न लिख कर सीधी-सरल भाषा में संक्षिप्त व सटीक उत्तर देने चाहिए।

हॉट्स प्रश्न ऐसे सॉल्व करें

जो प्रश्न अधिक अंकों के हैं, उन्हें हॉट्स क्वेश्चन कहते हैं। उन्हें स्टेपवाइज हल करें, क्योंकि ऐसे प्रश्नों में एक प्रश्न में ही भिन्न-भिन्न चीजों को लिखना होता है। कम अंक वाले प्रश्नों को कम से कम दो बार पढ़ कर 'टू दि प्वाइंट' लिखें। 6 से 8 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों से ज्यादा न हो और 6 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों तथा 2 और 4 अंकों के प्रश्नों का उत्तर दो लाइन और 50 और 60 शब्दों में दिया हो।

ऐसे करें निबंध और पत्र की तैयारी

छात्रों को परीक्षा की तैयारी करते समय निबंध, पत्र व अपठित बोध की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। नए पाठ्यक्रम में निबंध लेखन के अन्तर्गत परम्परागत विषयों पर नहीं, बल्कि करंट अफेयर्स व व्यावहारिक (practical subjects) विषयों पर पूछे जाते हैं। जैसे - उत्तराखण्ड त्रासदी, भ्रष्टाचार, लोकपाल बिल, भारतीय चुनाव प्रणाली में सुधार, जैसे महत्वपूर्ण विषयों को तैयार करके अलग नोटबुक पर लिख कर अभ्यास करें। अभ्यास करने से छात्रों में आत्मविश्वास व राइटिंग स्पीड में वृद्धि होती है। छात्रों को इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि वो बड़े-बड़े वाक्य न बनाएं, बल्कि छोटे-छोटे व सरल वाक्यों का प्रयोग करें। हिन्दी में पत्र लेखन के लिए कुछ समाचार पत्रों और उनके संपादकों के नाम, प्रकाशन कार्यलय आदि के नाम जरूर याद करें। पत्रों में औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों का लिखित अभ्यास करें।

कुछ महत्वपूर्ण बिंदू

उत्तर पुस्तिका में उत्तरों का प्रस्तुतीकरण ढंग से करें। 2. कम से कम तीन मॉडल पेपर (सीबीएसई) हल जरूर करें। 3. जिन प्रश्नों को प्वाइंट्स में लिखा जा सकता हो, वहां और किसी तकनीक का प्रयोग न करें। 4. सीबीएसई की अंक योजना के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दें। 5. व्याख्या वाले प्रश्नों में प्रसंग, व्याख्या व सौंदर्य बोध या विशेष को अलग-अलग रेखांकित करें। 6. जीवनी वाले प्रश्नों में छात्रों, लेखकों या कवियों में से उनकी विचारधारा, समय, रचनाएं व भाषा शैली जरूर लिखें।

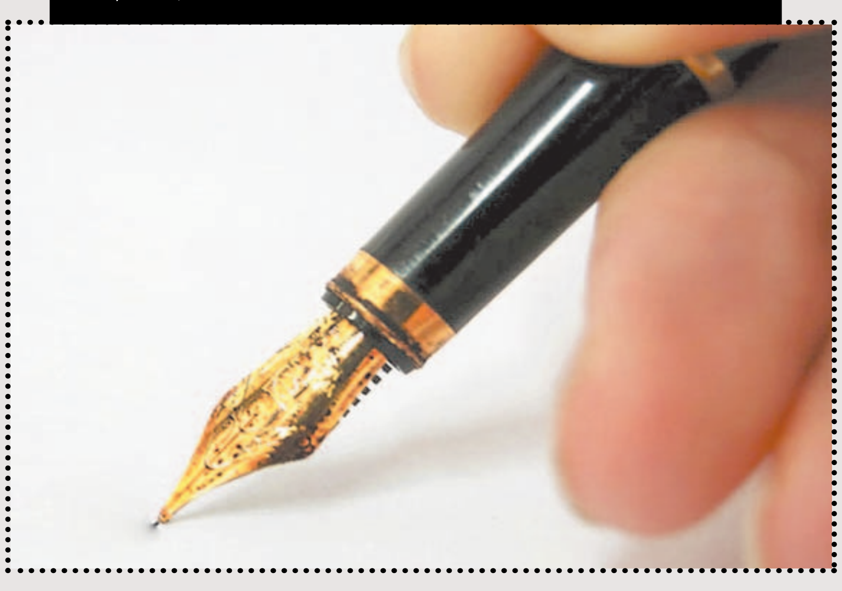

पिछले एक दशक में देश में कंप्यूटर का चलन तेजी से बढ़ा है. बड़ी से बड़ी कंपनी और छोटे से छोटे ऑफिस तक की सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में रखी जा रही हैं. सुरक्षा को ध्यान में रख कर कंप्यूटर पर पासवर्ड सेट किये जा रहे हैं. पासवर्ड ज्यादा सुरक्षित हों, इसके भी तरीके उजागर किये जा रहे हैं.

बनें साइबर सुरक्षा के मास्टर

साइबर सुरक्षा के तमाम उपाय करते हुए भी उनकी जानकारियां पलक झपकते ही सात समंदर पार बैठे लोगों तक आसानी से पहुंच जा रही हैं. यह काम कंप्यूटर के जानकारों द्वारा ही किया जाता है. इन्हें रोकने का जिम्मा एथिकल हैकर का होता है और इस पूरी प्रक्रिया को एथिकल हैकिंग का नाम दिया गया है. हालिया कुछ वर्षो में इमेल हैकिंग, गोपनीय दस्तावेज लीक होने, आतंकी हमले आदि की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. इससे व्यक्ति विशेष, संस्थान के अलावा पूरे देश की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की संभावना भी बढ़ी है.

क्यों पड़ी इसकी जरूरत

नासकॉम की एक रिपोर्ट की मानें, तो देश में 77 हजार एथिकल हैकरों की प्रतिवर्ष आवश्यकता है, जबकि सिर्फ 25-30 हजार प्रोफेशनल्स प्रतिवर्ष सामने आ रहे हैं. यानी इसकी जरूरत से काफी कम लोग हर साल यह कोर्स कर रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, एथिकल हैकर की मांग आनेवाले समय में और अधिक बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि हर क्षेत्र में कंप्यूटर का दखल बढ़ता जा रहा है और लोग अपनी सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में ही रखना चाह रहे हैं.

कब करें यह कोर्स

एथिकल हैकिंग से संबंधित बैचलर, मास्टर, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा कई तरह के कोर्स मौजूद हैं. कुछ कोर्स ऐसे भी हैं, जिनमें एथिकल हैकिंग एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है. बैचलर कोर्स में दाखिला 12वीं के बाद, मास्टर व पीजी में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद और डिप्लोमा में बारहवीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं. इन योग्यताओं के साथ-साथ इसमें कंप्यूटर की जानकारी को सर्वोपरि रखा जाता है. बैचलर व मास्टर कोर्स कंप्यूटर एप्लीकेशन से संबंधित होते हैं. बैचलर कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा पास करना जरूरी है. अंकित फाड़िया सर्टिफाइड एथिकल हैकर कोर्स भी प्रचलन में है.

कोर्स से जुड़ी जानकारी

कोर्स के दौरान छात्रों को कंप्यूटर सिक्योरिटी से जुड़ी पूरी जानकारी प्रदान की जाती है. क्लास में प्रेजेंटेशन टेस्ट, गैजेट्स की जानकारी, हैकिंग, पासवर्ड क्रैकिंग, मालवेयर एनालिसिस, पोर्ट स्कैनिंग, बफर ओवरफ्लो आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है. कोर्स के दौरान ही छात्र सिक्योरिटी से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट करने, नियम के दायरे में रह कर काम करने, बायोमेट्रिक्स सिस्टम पर प्रोजेक्ट तैयार करने और हालिया घटित हैकिंग के नये मामलों पर चर्चा करते हैं.

इसमें संभावनाएं हैं अपार

कोर्स समाप्त होने के बाद प्रोफेशनल्स को किसी कंपनी में सिक्योरिटी एनालिस्ट, चीफ इन्फार्मेशन ऑफिसर, प्रेजेंटेशन टेस्टर व नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के रूप में काम करने का अवसर मिलता है. प्रेजेंटेशन टेस्टर के रूप में प्रोफेशनल्स फायरवाल की जांच करते हैं, जिससे कि गैरजरूरी चीजों का प्रवेश रोका जा सके. जबकि नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के अंतर्गत संस्थान के कंप्यूटर नेटवर्क की सुरक्षा, सॉफ्टवेयर आदि की सुरक्षा का जिम्मा होता है. साइबर विशेषज्ञ पवन दुग्गल के अनुसार इस क्षेत्र में शुरुआती दौर में 40 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह की सैलरी आसानी से मिलती है. यदि प्रोफेशनल्स के अंदर स्किल्स हैं, तो वे 80 से 90 हजार प्रतिमाह का भी पैकेज पा सकते हैं.

कहां मिलते हैं रोजगार

एथिकल हैकिंग का कोर्स करने के बाद उम्मीदवार बैंक, एयरलाइंस, होटल्स, टेलीकॉम कंपनी, आउटसोर्सिंग यूनिट्स, आइटी सर्विस कंपनी, रिटेल चेन, इंटरनेट फर्म्स आदि में काम कर सकते हैं.

कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज है जरूरी

इस प्रोफेशन में सबसे जरूरी है कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज. बिना इसके लंबी रेस का घोड़ा नहीं बना जा सकता. इसके अलावा प्रोफेशनल्स को जावा, यूनिक्स व सी++ में भी दक्ष होना जरूरी है. साथ ही उसे अपना दिमाग हमेशा खुला रखना होगा और नेटवर्किंग से जुड़ी हर जानकारी को आत्मसात करना होगा. प्रॉब्लम सॉल्विंग, एनालिटिकल स्किल्स, सिक्योरिटी सिस्टम और कंप्यूटर का गहरा ज्ञान भी काफी ऊंचाई तक ले जा सकता है.

ऊंची उड़ान के लिए कर्मचारियों को रखें प्रोत्साहित

गूगल अपने कर्मचारियों को मुफ्त खाना देता है, पालतु कुत्तों को दफ्तर में लाने की स्वीकृति देता है, आप मानें या न मानें लॉन की घास साफ करने के लिए उन्होंने बकरियां भी रखी हैं। बेशक हर कम्पनी गूगल जैसे सुविधाएं न देना चाहे, सफलता का मंत्र है कि अपने कर्मचारियों को किसी न किसी तरह से प्रोत्साहित तथा खुश रखा जाए ताकि वे दिल लगा कर काम करें।

आज प्रोत्साहन केवल पैसों तक ही सीमित नहीं है, कर्मचारियों के कल्याण के लिए रोज कुछ न कुछ करते रहना जरूरी है। चाहे उनके लिए चाय-पानी का खास इंतजाम किया जाए या इस बात पर ध्यान दिया जाए कि कोई कर्मचारी क्यों ओवरटाइम काम कर रहा है। ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में जानते हैं जिनसे कर्मचारियों को प्रोत्साहित तथा उत्साहित रखा जा सकता है।

उनकी बात सुनें

कर्मचारियों की भावनाओं को जानने का पहला कदम उनकी बात सुनना है ताकि उपयुक्त सुधार किए जा सकें। केवल वही बातें सुनना काफी नहीं हैं जो कर्मचारी कहें, अपनी आंखें खुली रखना भी जरूरी है क्योंकि कई बार कर्मचारी अपने मुंह से कुछ नहीं कहते हैं परंतु उसका असर उनके कामकाज तथा उनके व्यवहार में स्पष्ट जाहिर होता है। उन समस्याओं को समझना तथा दूर करना जरूरी है जो किसी कर्मचारी को प्रभावित करती हों। अच्छी नीतियां तथा अच्छा शासन इस तथ्य से कायम होता है कि प्रबंधन कर्मचारियों की बात सुनता है।

खाओ, खेलें और काम करो

अच्छी तनख्वाह तथा भत्तों के साथ-साथ तनाव दूर करने वाली गतिविधियां, खेल आदि का इंतजाम भी होना चाहिए। दफ्तर के एक हिस्से में कर्मचारियों के हल्के-फुल्के खेल का इंतजाम हो तो तनाव से मुक्ति पाने के साथ-साथ एक-दूसरे को बेहतर ढंग से जाना जा सकता है।

विश्वास कायम करना

कर्मचारियों को इस बात का विश्वास दिलाना भी जरूरी है कि कम्पनी करियर शुरू करने तथा तरक्की करने के लिए एक उत्तम स्थान है। काम से असंतुष्ट होकर कर्मचारियों के कम्पनी छोडऩे का एक कारण अक्सर उनमें विश्वास की कमी होता है। वहां कर्मचारियों के आपस में तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध सही नहीं होते हैं। कई बार तो कर्मचारियों पर बस काम थोप दिया जाता है और उन्हें यह भी पता नहीं होता है कि वे काम क्यों कर रहे हैं। उन्हें कम्पनी के लक्ष्य के साथ जोडऩा अहम है।

भावनाओं पर नियंत्रण

कर्मचारियों को दिए जाने वाले पैसे या भत्तों को अब कई कम्पनियां निवेश के तौर पर देखती हैं। कठिन दौर में सहायता करके कर्मचारियों को कम्पनी के प्रति वफादार बनाया जा सकता है। यही वजह है कि ऐसी इंडस्ट्रीज हैं जिन्होंने मुनाफे में कमी के बावजूद अपने कर्मचारियों के भत्तों में कटौती नहीं की।

करियर की पहली सीढ़ी आवेदन पत्र

आजकल आवेदन पत्रों का स्वरूप काफी विस्तृत हो गया है। आवेदक की योग्यता एवं प्रतिभा का आकलन आज काफी हद तक आवेदन पत्रों में उसके द्वारा भरी हुई जानकारी से ही लगाया जाने लगा है, अतः यह बहुत आवश्यक है कि फार्म भरते समय अत्यंत सावधानी बरती जाए। सैंकड़ों फार्म सिर्फ इसलिए रद्द कर दिए जाते हैं क्योंकि वे सही ढंग से भरे हुए नहीं होते। आवेदन पत्र भरना भी एक कला है। वैसे यदि इस कला को तकनीकी कौशल की संज्ञा दी जाए तो गलत नहीं होगा। प्रभावशाली तरीके से आवेदन पत्र भरने के लिए निम्नलिखित बातों का अवश्य ध्यान रखें

- सर्वप्रथम बाजारों एवं एजैंटों के पास उपलब्ध विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदन पत्रों को भली-भांति जांच करने के पश्चात ही खरीदें। कभी-कभी फार्म डुप्लीकेट भी मिलते हैं। बेहतर होगा कि रोजगार समाचार में प्रकाशित प्रारूप से आवेदन पत्र का मिलान कर लें।
- किसी भी आवेदन पत्र को भरने से पूर्व उसके साथ संलग्न विवरणिका या नियमावली का गहराई से अध्ययन करें। आवेदन पत्र के ऊपर लिखे निर्देशों को भी ध्यानपूर्वक पढ़ें। जो सूचनाएं आवेदन पत्र में मांगी गई हैं, वे सारी पहले नोट कर लें तथा एक-एक करके सारी सूचनाएं इकट्ठी करें।
- आवेदन पत्र का कोई भी कॉलम जल्दबाजी में न भरें। पहले पढ़ें, फिर सोचें, तभी कलम को हरकत में लाएं।
- आवेदन पत्र को कभी गलत न भरें। विवरण समझ में नहीं आने पर किसी जानकार व्यक्ति या संस्थान से उसको सही ढंग से समझ लें।
- फार्म के सभी कॉलमों को भरते हुए ध्यान रखें कि आपकी जानकारी सही एवं प्रमाणिक होनी चाहिए। बहुत से उम्मीदवार सिर्फ अच्छा प्रभाव डालने के उद्देश्य से कई बार फार्म में गलत जानकारी भी भर देते हैं।
- आवेदन पत्र भरते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में 'काट-छांट' या 'ओवरराइटिंग' न हो क्योंकि इससे आवेदन पत्र के जांचकर्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- फार्म भरते समय एक ही रंग की स्याही या बॉलपैन का प्रयोग करें और हो सके तो नीले बॉल पैन को ही उपयोग में लाएं। लाल स्याही से तो फार्म कभी भी न भरें।

एडीसी ने की ट्रैफिक प्रबंधों की समीक्षा बैठक

Faridabad/Alive News

एडीसी आनंद शर्मा ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की पूर्ण रूप से पालना सुनिश्चित हो। एडीसी आनन्द शर्मा शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष ट्रैफिक नियमों की पालना के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कहा ऑटो और बसों पर अधिक से अधिक संख्या में रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं। प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर यातायात व्यवस्था को सुचारू ढंग से चलाए। वहीं बार बार ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किया जाए। एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा कि जिला फरीदाबाद में प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर यातायात व्यवस्था को सुचारू ढंग से चलाए। बार- बार ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किया जाए। वहीं ऑटो चालकों और बाइकर्स की विशेष निगरानी करना सुनिश्चित करें। एडीसी आनंद शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने के लिए जिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी को जो भी दायित्व मिला है। वह उसकी गंभीरता से पालना करना सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सड़क सम्बन्धी समस्याओं को जल्द दे जल्द दुर करें। सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक में एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम एसीपी ट्रैफिक विष्णु दत्त, यूएलबी, एफएमडीए तथा एनएचएआई सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी और सड़क सुरक्षा के पदाधिकारी उपस्थित उपस्थित रहे।

हरियाणा का विकास कर रही गठबंधन सरकारः डिप्टी सीएम

Faridabad/Alive News

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि प्रदेश की गठबंधन सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए विशेष रूप से ग्रामीण आंचल को सशक्त व मजबूत बनाने की दिशा में सराहनीय कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक को लाभान्वित करने के लिए घर द्वार पर सरकारी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और जिनका लाभ पात्र लोगों को प्रभावी रूप से मिल रहा है। शुक्रवार को डिप्टी सीएम रेवाड़ी जिले के दौरे के दौरान विभिन्न गांवों में ग्राम सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गावों में पार्क, व्यायामशाला और ई-लाइब्रेरी बनाकर शहरों जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। प्रदेश में ऐसा कोई विधानसभा क्षेत्र नहीं है, जहां विकास कार्य न हो रहे हो।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा की प्रगति के लिए सरकार बिना किसी भेदभाव के राज्य के प्रत्येक क्षेत्र में एक समान विकास करवा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार 'अंत्योदय' व 'समान' विकास की विचारधारा के साथ काम कर रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से कदम बढ़ाते हुए सरकार लोगों को सरकारी सुविधाएं और सेवाएं उनके घर द्वार पर ही प्रदान कर रही है। अब कोई भी नागरिक सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्रक्रिया के अमल में आने से प्रदेश के नागरिकों को जाति, जन्म व रिहायशी प्रमाण पत्र, बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, आधार कार्ड, पैन कार्ड जैसी लगभग सभी सुविधाएं घर से ही प्राप्त हो रही है, इससे आमजन को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने तथा समय व पैसे की बचत जैसी राहतें मिली है।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अब किसानों को फसल बेचने के दो दिन के अंदर-अंदर उपज का मूल्य सीधा बैंक खातों में ट्रांसफर हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से किसानों को फसल खराब होने पर जल्द से जल्द क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से आए आवेदन अनुरूप मुआवजा राशि पीड़ित किसानों के खाते में तत्परता से पहुंच रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर नवाचार और नई-नई पहलों के माध्यम से किसानों की प्रगति सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बीज से बाजार तक अवधारणा के अनुरूप किसानों को उत्तम बीजों के वितरण से लेकर उनकी फसल खरीद के लिए बाजार तक पहुंच की व्यवस्था बनाई है। अब सीएससी के माध्यम से माउस की एक क्लिक पर जमीन की फर्द निकल जाती है।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सरकार जनता से किए वादे पूरे कर रही हैं और कल्याणकारी नीतियां लागू कर गरीब, किसान, कमेरे वर्ग को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं का सम्मान बढ़ाया है और उनमें आत्मविश्वास की भावना प्रबल हुई है। इसी प्रकार प्रत्येक तीन में से एक राशन डिपो महिला को दिए जाने का प्रावधान भी किया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामेश्वर दयाल, जेजेपी राष्ट्रीय महासचिव सुनील चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यु राव, प्रदेश महासचिव श्यामसुंदर सभरवाल, जेजेपी जिलाध्यक्ष विजय सिंह सहित अनेक जेजेपी कार्यकर्ता व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुलिस ने गांव सिरोही और खोरी जमालपुर में रखी खेल प्रतियोगिता

Faridabad/Alive News

गांव पावटा व सिरोही में खेल प्रतियोगिता के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणाम के संबंध में जागरूक किया है। पहली खेल प्रतियोगिता गांव पावटा, पाखल, मोहब्ताबाद के युवाओं के बीच कराई गई थी। दूसरी खेल प्रतियोगिता गांव सिरोही और खोरी जमालपुर के युवाओं के बीच कराई गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि युवाओं को नशे के दुष्परिणाम के संबंध में जागरूक करते हुए थाना धौज प्रबंधक ने अपनी टीम के साथ आमजन को जागरूक करने के दो गांव में दो अलग-अलग टीमों के बीच में वॉलीबॉल मैच का आयोजन कराया गया और इस मुहिम के दौरान नौजवान युवाओं को समाज मे नशा से होने वाले दुष्प्रभाव, नशा से होने वाली हानि के बारे जागरूक किया गया युवाओं को साइबर अपराध, डायल-112 की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी गई, साथ ही लोगों से पुलिस की अपील की है कि अगर आप के एरिया में कोई नशा बेचता है तो उसकी सूचना आप पुलिस को दे, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। आप लोगो शहर को नशा मुक्त बनाने में अपनी भागीदारी दे सकते है। पुलिस टीम ने युवाओं को नशे के चंगुल से बचने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इसके साथ ही जागरूकता अभियान का समापन किया गया। सभी युवाओं ने पुलिस टीम द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान के लिए उनका तहे दिल से धन्यवाद किया।

18 जनवरी को होगा हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन

Faridabad/Alive News

डीसी कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन 18 जनवरी को हरियाणा सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार किया जाएगा। डीसी कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि आगामी 03 जनवरी तक ईआरओ के कार्यालयों में नाम दर्ज करवाने के लिए दावे और आपत्ति करवाए जा सकते हैं। डीसी विक्रम सिंह शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए मतदाता सूची के फाइनल ड्राफ्ट बारे बारीकी से समीक्षा कर सम्बंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए मतदाता सूची हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची में तीन जनवरी 2024 तक नाम दर्ज करवा सकते हैं। एसडीएम अमित मान को बड़खल क्षेत्र और एसडीएम त्रिलोक चंद को बल्लभगढ़ क्षेत्र के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए केसधारी युवाओं और नाम के साथ कौर लगाने वाली सिक्ख धर्म लोगों के वोट बनाए जा रहे हैं। समीक्षा बैठक में फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण/एफएमडीए की ज्वाइंट कमिश्नर कम गुरुद्वारा कमेटी चुनाव की नोडल अधिकारी गौरी मिड्ढा ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के चुनाव के लिए मतदाता सूची का मसौदा 18 दिसंबर 2023 को प्रकाशित किया जा चुका है। वहीं मतदाता सूची के प्रारूप की एक प्रति संबंधित उपायुक्त/ डीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसकी प्रति संबंधित उपायुक्त, रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी के कार्यालय और ऐसे क्षेत्र में स्थित प्रत्येक अधिसूचित सिख गुरुद्वारों में भी उपलब्ध है। उन्होंने आगे बताया कि कोई भी सिक्ख जो सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार गुरुद्वारा कमेटी चुनाव में मतदाता के लिए अपेक्षित योग्यता पूरी करता है और उसने अभी तक अपना नाम हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची में दर्ज नहीं करवाया है, वह तीन जनवरी 2024 तक अपना नाम दर्ज करवाने के लिए रिटर्निंग अधिकारी व सहायक रिटर्निंग अधिकारी को आवेदन कर सकता है। गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए मतदाता नाम पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी के कार्यालय में उपलब्ध है और इसे संबंधित कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट गुरू द्वारा इलैक्शन एचआर वाई.इन से भी डाउनलोड किया जा सकता है।समीक्षा बैठक में एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, एसडीएम बड़खल अमित मान, एफएमडीए की संयुक्त आयुक्त गौरी मिड्ढा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री ने आरएमसी गलियों की रखी आधारशिला

Faridabad/Alive News

मोहना रोड पर बनाए जाने वाले एलिवेटिट पुल का सपना अब जल्द ही पूरा होने जा रहा है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाए जाने वाले इस पुल का टेंडर आज खुल गया है और अब नए साल में कुछ ही दिनों में इस पुल की आधारशिला रखी जाएगी। यह जानकारी प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने शनिवार को बल्लबगढ़ के आर्यनगर के निवासियों को करीब 1 करोड़ की लागत से बनने वाली आरएमसी गलियों की सौगात देते हुए दी। परिवहन मंत्री ने स्थानीय निवासियों के हाथो गलियों के निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इन गलियों के निर्माण कार्य होने से आर्य नगर के लोगो को बड़ी राहत मिलने वाली है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लबगढ़ की करीब 50

कॉलोनी और पृथला विधानसभा क्षेत्र सहित करीब 84 गांव के साथ-साथ जेवर एयरपोर्ट आने जाने में मोहना रोड के एलिवेटेड पुल का लाभ लोगों को मिलेगा। बल्लभगढ़ विधानसभा के सेक्टरों और आईएमटी एरिया को इस पुल का लाभ मिलेगा। बल्लभगढ़ मोहना रोड पर लगने वाले लंबे जाम से लोगों को राहत मिलेगी। प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने इसके उपरांत आईएमटी में उद्योगपति कृष्ण कौशिक द्वारा रोटरी क्लब फरीदाबाद सेंटर द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में भी शिरकत भी की।

पुलिस ने बच्चों को नशे के प्रति किया जागरूक

Faridabad/Alive News

थाना प्रबंधक आदर्श नगर निरीक्षक संजय कुमार ने अपने थाना की पुलिस टीम के साथ बल्लभगढ़ में स्थित छत्रपति शिवाजी क्रिकेट अकादमी में जाकर अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं में बच्चों को क्रिकेट वह अन्य कई खेल खिलाएं।

जिसके दौरान पुलिस टीम ने खुद भी खेलों में हिस्सा लिया और प्रशिक्षण के लिए आए हुए युवाओं को बच्चों की अलग-अलग टीम बनाकर उनके मैच कराये। और वहां पर उपस्थित युवाओं को अपने दैनिक जीवन में शारीरिक क्रियाएं , करने के संबंध में युवाओं को फायदे बताएं और बताया कि किस प्रकार में शारीरिक क्रियाएं करके अपने आप को स्वास्थ्य फिट रख सकते हैं।

इसके साथ ही थाना प्रबंधक संजय कुमार ने युवाओं को आजकल तेजी से बढ़ रहे साइबर क्राइम के संबंध में जागरूक करते हुए बताया कि वह किसी के साथ भी अपना ओटीपी शेयर ना करें, फोन पर प्राप्त होने वाली फ्रॉड कॉल से बचें, और इंटरनेट पर चल रही कई प्रकार के स्कैम के बारे में अवगत भी कराया।

डायल 112

थाना प्रबंधक आदर्श नगर निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि डायल 112 की गाड़ियों पर किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर 112 की पुलिस गाड़ी 5-10 मिनट के अन्दर पहुंच कर पुलिस सहायता दी जाती है । डायल 112 की गाड़ी में फर्स्ट एड किट भी मौजूद रहती है सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार

किया जा सके। इसके साथ ही निरीक्षक ने मौजूद युवाओं को डायल 112 एप डाउनलोड और संचालन करना सिखाया।

नशा तस्करी करने पर रोक

निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि अगर उनके क्षेत्र में कोई नशा तस्करी ,नशा बेचने संबंध में कार्य करता है या इस प्रकार के काम में संलिप्त होता है। तो वे इसकी सूचना पुलिस के टोल फ्री नंबर 9050891508 पर भी दे सकते हैं।

बिना पंजीकरण के चल रहे प्ले स्कूलों पर होगी कार्यवाही

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार प्ले स्कूलों ने पंजीकरण करवाना शुरू कर दिया है। डीसी विक्रम सिंह ने कहा सरकार के पास प्ले स्कूलों की पंजीकरण करवाना अनिवार्य हो गया है। जिला फरीदाबाद में चल रहे निजी प्ले स्कूलों का पंजीकरण करने की श्रृंखला में दो प्राइवेट प्ले स्कूलों को पंजीकरण नम्बर दिया गया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्राइवेट प्ले स्कूलों का पंजीकरण किया जा रहा है । इसी कड़ी में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजू श्योराण व परियोजना अधिकारी सुशीला सिंह और विकल ने विभाग की और से जिले में निजी/प्राइवेट प्ले स्कूल, संस्कार

भारती व छत्रपति स्कूल को पंजीकरण सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। जिला महिला एवं बाल विकास की परियोजना अधिकारी डॉ. मंजू श्योराण ने बताया कि राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग व महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी निजी प्ले स्कूलों को पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि बिना पंजीकरण चल रहे प्ले स्कूलों पर विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

यहां पर करें आवेदन

उन्होंने आगे बताया कि प्ले स्कूल संचालकों को गाइडलाइन के अनुसार आवेदन दूसरा तल लेबर कोर्ट सेक्टर- 12 में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कार्यालय में किया जा सकता है 7 आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज जो 2cdharyana.gov.in पर उपलब्ध हैं। वहीं कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करना अनिवार्य है।

प्ले स्कूलों के लिए यह हिदायत जरूरी

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कोर्डिनेटर विकल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्ले स्कूल को कक्षा में 20 बच्चों पर एक अध्यापक और एक केयरटेकर रखना जरुरी है। स्कूल में विश्राम कक्ष, लड़के व लडकियों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली शौचालय जरुरी है। उन्होंने आगे बताया कि खेलकूद गातिविधियों के लिए प्ले ग्राउंड व सीसीटीवी कैमरा होना भी अनिवार्य है।

निजी प्ले स्कूलों के पंजीकरण के लिए किसी भी प्रकार की फ़ीस नहीं

जिला कोर्डिनेटर विकल ने बताया कि वर्तमान समय में विभाग द्वारा निजी प्ले स्कूलों के पंजीकरण के लिए किसी भी प्रकार की फ़ीस नहीं ली जा रही है। सभी निजी प्ले स्कूलों द्वारा पंजीकरण जल्द से जल्द करवाना आवश्यक हैं।

मानव सेवा समिति ने सिलाई सेंटर की महिलाओं को प्रदान किए प्रमाणपत्र व कंबल

Faridabad/Alive News

सेक्टर -10 के मानव भवन के एक समारोह में डबुआ व बल्लमगढ़ में संचालित सिलाई कढ़ाई केंद्र की सभी महिलाओं को प्रमाण पत्र व एक-एक कंबल प्रदान किया। दोनों सेंटर की प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिला रीता, नैंसी, कुसुम व सीमा,पूनम, लता को नई सिलाई मशीन व नगद राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सेंटर की पांच लड़कियों ने बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। चेयरमैन महिला मंडल ऊषा किरण शर्मा व वाइस चेयरमैन राज राठी के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में प्रबंधक कुसुम बंसल व सविता सिंघल, समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा, महासचिव सुरेंद्र जग्गा, कमला वर्मा, संजीव शर्मा,रेनू चतरथ,नीतू मंगल, कुसुम वशिष्ठ,सीमा मंगला,रमा सरना,सरिता गुप्ता,सुष्मिता भौमिक,सरोज,सावित्री,शीतल लूथरा,समाजसेवी हरीश गोरा गोविंद वर्मा आदि ने भाग लेकर सहयोग किया।

एफएमएस के छात्रों ने रंगमंच फार्म का किया दौरा

Faridabad/Alive News

सेक्टर-31 के फरीदाबाद मॉडल स्कूल द्वारा वार्षिक यात्रा के दौरान कक्षा दूसरी-तीसरी के छात्रों के लिए रंगमंच फार्म गुरुग्राम की यात्रा का आयोजन किया। स्कूल से बसों में चढ़ते समय विद्यार्थी उत्साहित थे और गंतव्य पर पहुंचने पर उनका स्वागत पारंपरिक भारतीय तरीके से ढोल और तिलक के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से किया गया। फार्म प्रबंधक ने छात्रों को यात्रा की योजना और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। छात्रों के प्रत्येक समूह का नेतृत्व एक प्रशिक्षक गाईड द्वारा किया गया और विद्यार्थियों को फार्म प्रबंधक द्वारा विभाजित किया गया। विद्यार्थियों ने नाश्ता करने के बाद फार्म का भ्रमण किया और छात्रों के लिए, साहसिक खेलों की एक श्रृंखला में वायर क्रॉसिंग, कमांडो नेट, टायर वॉल क्लाइंबिंग, रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, जिपलाइनिंग और रस्सी पाठ्यक्रम शामिल थे। इस मौके पर छात्रों के लिए तीरंदाजी, हॉकी, फुटबॉल, पूल टेबल, टेबल टेनिस, डार्ट्स, क्रिकेट पिच, बैडमिंटन और फ्रिसबी जैसे कई मनोरंजक खेल शामिल थे। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। इसके अलावा अनूठे आकर्षणों में जादू शो, मिट्टी के बर्तन बनाने की कक्षाएं और कटपुतली नृत्य शामिल रहा। इस पड़ाव की कक्षा में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के बर्तन बनाने का अभ्यास किया। उन्होंने मिट्टी बनाने में अपना हाथ आजमाया और यहां कटपुतली का नृत्य अद्भुत था। बड़े उत्साह के साथ विद्यार्थियों ने सभी अभ्यासों में भाग लिया और वे प्रत्येक अभ्यास को पूरा

करने में रोमांचित थे। कई छात्रों ने पहली बार ऊंट और गाड़ी पर सवारी का आनंद लिया, जबकि कई ने पहली बार ट्रैक्टर की सवारी की। बत्तख तालाब एक रमणीय दृश्य था। भोजन में एक विशिष्ट भारतीय मिश्रण था। विद्यार्थियों ने अपने दोस्तों के साथ नृत्य कर खूब आनंद उठाया। विद्यार्थियों के लिए यह यात्रा मौज-मस्ती और व्यंजनों का वास्तविक, प्रत्यक्ष अनुभव था।

शिक्षा भारती स्कूल में वार्षिकोत्सव की रही धूम, महिला आयोग की चेयरपर्सन ने की शिरकत

Faridabad/Alive News

डबुआ कॉलोनी स्थित शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल में रविवार को वार्षिक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया और लेखक तथा सोशल एंटरप्रेन्योर डॉ. अजय गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। स्कूल के प्रिंसिपल सुशील गेरा, डायरेक्टर सुरेंद्र गेरा और विनीत गेरा ने मुख्यतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और स्वागत गीत के साथ हुई। इसके अलावा कक्षा नर्सरी से दसवी तक के बच्चों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। नर्सरी से केजी के विद्यार्थियों ने अपनी परफॉर्मेंस से सबका मन मोह लिया। वहीं दूसरी से तीसरी कक्षा के छात्रों ने अपनी राजस्थानी परफॉर्मेंस से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। कक्षा नौवी के छात्रों ने गुंजन सक्सेना से प्रेरित प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावुक कर दिया। वार्षिकोत्सव में प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को स्कूल की तरफ से प्रोत्साहित भी किया गया।

इस अवसर पर हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया और सशक्त तथा स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन बेटियों की मदद के लिए सदैव तत्पर है। सरकार की ओर से भी बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक मदद की जा रही है। आज बेटियां अपने सपने को पूरा कर सकती हैं। कार्यकम में पहुंचने पर स्कूल की ओर से मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन स्वाति गेरा ने किया।

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

पूर्वोत्तर: नवाचार के माध्यम से विकास को गति

जी किशन रेड्डी

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के पास प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से अपने विकास को गति देने का जबरदस्त अवसर है। प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप, नीति निमार्ताओं, व्यवसाय जगत तथा व्यक्तियों को एक साथ आना चाहिए और इस अवसर का लाभ उठाने तथा व्यापक जन कल्याण के उद्देश्य से इसे अपनाने के लिए प्रभावी ढंग से सहयोग करना चाहिए। निजी क्षेत्र को सक्रिय रूप से अपने कामकाज में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के अवसरों की तलाश करनी चाहिए और अपनी दक्षता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने हेतु डिजिटलीकरण, स्वचालन और डेटा विश्लेषण को अपनाना चाहिए।

एक दशक पहले विशाल वन क्षेत्र और भूमि से घिरी भौगोलिक स्थिति के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण स्थलाकृति को क्षेत्र के विकास और परिवहन संपर्क के लिए एक प्राकृतिक बाधा के रूप में माना जाता था। दस साल बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिरीबाम-इम्फाल में दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा रेलवे घाट पुल एक जीवंत तकनीकी चमत्कार है, जो स्थलाकृति की चुनौतियों के बावजूद निर्बाध परिवहन संपर्क की सुविधा प्रदान करता है। 2014 के बाद से क्षेत्र की वास्तविक क्षमता का लाभ उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 5 लाख करोड़ से अधिक खर्च किए गए हैं। प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास की रणनीति के अनिवार्य हिस्से बन गए हैं, जिनसे इस पहल को और गति मिली है। सार्वजनिक सेवा सुविधा व शासन से लेकर युवा और उद्यम तक, प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग पूर्वोत्तर भारत के अमृत काल में एक नई क्रांति का वादा कर रहा है।

मजबूत अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए सड़कों के निर्माण में नवीनतम तकनीक का प्रयोग अनिवार्य कर दिया गया है। इससे प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी सड़कें अधिक सुदृढ़ रहेंगी। इसके अलावा, उत्तर पूर्व अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के तत्वावधान में सभी राज्यों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कृषि और संबद्ध क्षेत्र; आपदा प्रबंधन; वन, पारितंत्र और पर्यावरण; जल संसाधन प्रबंधन; चिकित्सा और स्वास्थ्य; योजना और विकास तथा परिवहन संचार के क्षेत्र में कार्य योजनाएं तैयार की हैं।

कृषि और बागवानी इस क्षेत्र के दो सबसे संभावना वाले क्षेत्र हैं, जिनमें आर्थिक विकास और आजीविका सृजन की अपार संभावनाएं हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग भू-क्षेत्र व बागवानी अवसंरचना को मापने, स्थल उपयुक्तता के मूल्यांकन, किसानों के लिए मोबाइल ऐप आदि के लिए किया जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (एसटीआईएनईआर), जो एनईआर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए उत्तर-पूर्वी परिषद (एनईसी) के तहत एक समर्पित योजना है, के माध्यम से 600 से अधिक उद्यमियों, हजारों किसानों और कारीगरों को विभिन्न प्रौद्योगिकियों से लाभ हुआ है।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय परियोजनाओं की निगरानी के लिए भी प्रौद्योगिकी का गहनता से उपयोग कर रहा है। लगभग सभी परियोजना स्थलों को जियो-टैग किया गया है और एक परियोजना निगरानी पोर्टल लॉन्च किया गया है।

डिजिटल नवाचार परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन और कुशल निगरानी में मदद कर रहा है। पहली बार पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने राज्य सरकारों के साथ सहज सहयोग के लिए सभी राज्यों में अपनी क्षेत्रीय इकाइयां स्थापित की हैं। क्षेत्रीय इकाइयों के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से इकाइयां परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन और राज्य सरकार तथा केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेंगी।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में, टेलीमेडिसिन और मोबाइल डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से डिजिटल उपायों का समन्वय चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। धरातल पर किए जाने वाले एक महत्वपूर्ण विकास में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) और टाटा ट्रस्ट के सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं। इन सहयोगात्मक प्रयासों का लक्ष्य सभी पूर्वोत्तर राज्यों में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल स्थापित करना है। डोनर ने पहले ही गुवाहाटी में उच्च तकनीक वाले डॉ. बी. बोरूआ कैंसर संस्थान के लिए पीएम-डिवाइन पहल के तहत 129 करोड़ रुपये का पर्याप्त अनुदान आवंटित किया है। इसके अलावा, 5जी आधारित स्वास्थ्य अनुप्रयोगों को इस क्षेत्र के सभी राज्यों में शुरू किया गया है ताकि घर-घर निदान, टेलीमेडिसिन आदि जैसी सुविधाओं को संभव बनाया जा सके। इन उपलब्धियों में नई कड़ी जोड़ते हुए, असम के गुवाहाटी में एक अत्याधुनिक 3डी प्रिंटिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया गया है जो स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में तकनीकी प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है।

तकनीकी प्रगति से इस क्षेत्र के प्रतिभाशाली व कुशल युवाओं के लिए नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। हाल ही में, हमने पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में भारत की पहली 5-जी प्रशिक्षण प्रयोगशालाएं शुरू कीं। ये प्रयोगशालाएं डिजिटल खाई को पाटने और भविष्य के अनुकूल कौशल हासिल करने में युवाओं की सहायता करेंगी। सिक्किम और असम में 75 सरकारी स्कूलों और 4 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डीआईईटी) में स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम सुविधाएं स्थापित करके टेली-एजुकेशन की एक सफल परियोजना क्रियान्वित की गई है। इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य इस इलाके के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। डोनर भविष्य में ऐसी और पहलों को वित्तपोषित करेगा। प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों में उभरते उद्यमियों की अगली कतार तैयार करने हेतु एमईआईटीवाई देशभर में विशिष्ट डोमेन से जुड़े उत्कृष्टता केन्द्र भी स्थापित कर रहा है। इस क्षेत्र के सभी आठ राज्यों की राजधानियों में स्वास्थ्य सेवा, कृषि में आईओटी, ग्राफिक डिजाइन, गेमिंग, जीआईएस आदि से संबंधित उत्कृष्टता केन्द्र खोले जा रहे हैं।

यह क्षेत्र जल्द ही शुरू होने वाले पूर्वोत्तर के लिए राष्ट्रीय डेटा सेंटर से भी लाभान्वित होने के लिए तैयार है। कुल 348 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा यह डेटा सेंटर इस क्षेत्र की डिजिटलीकरण क्षमता को बढ़ाएगा, सभी क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और सभी क्षेत्रों में सेवाओं की आपूर्ति को सुदृढ़ करेगा।

हाल के वर्षों में पूर्वोत्तर ने डिजिटल सुविधाओं को अपनाने की दिशा में काफी संभावनाएं दर्शायी हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में, 47 प्रतिशत लोगों के पास स्मार्टफोन हैं, जो 48 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत लगभग बराबर है। दिलचस्प बात यह है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में मोबाइल और बैंक खातों का लिंकेज भी 86 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत के बराबर है। हम सामान्य सेवा केंद्रों के विकास, आधार की पहुंच में वृद्धि और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण व भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु इस अवसर का उपयोग कर-के इसका लाभ उठाने के लिए विभिन्न गतिविधियों की रणनीति बना रहे हैं।

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के पास प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से अपने विकास को गति देने का जबरदस्त अवसर है। प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप, नीति निमार्ताओं, व्यवसाय जगत तथा व्यक्तियों को एक साथ आना चाहिए और इस अवसर का लाभ उठाने तथा व्यापक जन कल्याण के उद्देश्य से इसे अपनाने के लिए प्रभावी ढंग से सहयोग करना चाहिए। निजी क्षेत्र को सक्रिय रूप से अपने कामकाज में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के अवसरों की तलाश करनी चाहिए और अपनी दक्षता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने हेतु डिजिटलीकरण, स्वचालन और डेटा विश्लेषण को अपनाना चाहिए। पूर्वोत्तर क्षेत्र में हो रहे इस बदलाव का हिस्सा बनने का यह एक रोमांचक समय है और इस क्षेत्र को तकनीकी-नवाचार और तकनीक-आधारित उद्यमिता के पावरहाउस के रूप में स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

(लेखक, भारत सरकार में केन्द्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री हैं।)

संपादकीय

अदाणी को 'सुप्रीम' राहत

गौतम अदाणी और हिंड़नबर्ग मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला विवादों पर एक तरह से पूर्ण विराम है। ऐसा तीन आधारों पर कहा जा सकता है। एक, तो न्यायालय ने अमेरिकी शॉर्ट सेलर फॉर्म हिंड़नबर्ग की रिपोर्ट की विश्वसनीयता को नहीं माना है। इसने 24 जनवरी 2023 को अपनी प्रकाशित रिपोर्ट से भारत के सत्ता प्रतिष्ठान में एक भूचाल ला दिया था। इसमें अदाणी समूह के शेयर के ओवरवैल्यूड़ होने तथा उनकी कीमतों में हेर-फेर के आरोप लगाए गए थे। मुख्य न्यायाधीश ड़ीवाई चंद्रचूड़ समेत तीन सदस्यीय खंड़पीठ ने सुनवाई के दौरान ही कह दिया था कि रिपोर्ट सच ही हो, कोई जरूरी नहीं। फैसले में यही दोहराया गया है। तो जिन आरोपों को लेकर विपक्ष सरकार पर, अपरोक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर, हमलावर था, उसकी बुनियाद ही संदिग्ध ठहरा दी गई तो फिर आगे काहे का बवाल? दूसरे, इन आरोपों की जांच कर रही भारत की प्रतिष्ठित संस्था सेबी, उसकी जांच और उसके निष्कर्षों को सही माना है। एसआईटी जांच से इनकार कर दिया गया है। इसके साथ ही, एफपीआई नियमन की वैधता मानी गई है और इन्हें रद्द करने की वजह नहीं मानी गई। आरोप था कि इसके जरिए ही अदाणी ने अपने शेयर के दाम ऊंचे किए थे। और तीसरे, न्यायालय ने विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर आपत्ति उठाती दलील को कानूनी प्रक्रिया में एक साक्ष्य के रूप में पेश किए जाने लायक नहीं पाया। इन तीनों बिंदुओं पर न्यायालय का फैसला संदेह और कयासबाजी का कोहरा साफ करते हुए लगता है जबकि दो मामलों में सेबी की जांच रिपोर्ट तीन महीने में आना बाकी है। इस फैसले से अदाणी ग्रुप्स की साख बहाली के साथ करोबारी संजीवनी मिल गई है। अब फैसले के बाद शेयर में पंख लग गए हैं। अदाणी इसे 'सत्यमेव जयते' कहते हैं। इस फैसले को विपक्ष खास कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाथ से आम चुनाव में एक बड़ा मुद्दा छीना जाना माना जा रहा है। वे अपने धुंआधार भाषण में अदाणी और मोदी को मिलाकर हमलावर होते रहे थे, उसे देखते हुए ऐसा आकलन गलत नहीं है। प्रधानमंत्री के 'चहेते' अदाणी की आलोचना के लिए उन्हें कुछ नया खोजना होगा। अगर वे इस मामले में संस्थानों के सरकार द्वारा हांके जाने का मुद्दा बनाते हैं तो सबसे पहले उन्हें अपनी बात सर्वोच्च न्यायालय से शुरू करनी पड़ेगी। जो सही नहीं होगी।

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

छोटे उद्योग प्रति वर्ष करते हैं 110 मिलियन टन सीओ2 का एमिशन : यह टूल करेगा स्थिति से निपटने में मदद

तिलक राज शर्मा
संपादक

भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की जीडीपी का 30 प्रतिशत हिस्सा हैं और 110 मिलियन से अधिक श्रमिकों को रोजगार देते हैं। लेकिन सामूहिक रूप से, अर्थव्यवस्था की गाड़ी खींचने वाले यह छोटे इंजन, प्रति वर्ष, लगभग 110 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड भी उगलते हैं। यह आंकड़ा भारत के नेट ज़ीरो लक्ष्य तक पहुंचने के लिए इस उद्योग क्षेत्र में एमिशन पर अंकुश लगाने की ज़रूरत को सीधे तौर पर साफ़ करता है। लेकिन ऐसा कुछ करने के लिए, सीमित संसाधनों और प्राथमिकताओं के साथ काम करने वाले इस उद्योग क्षेत्र के पास सुगमता से सुधारात्मक कार्यवाही की जानकारी होना बेहद ज़रूरी है। तो इस महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्र की डीकार्बोनाइजेशन क्षमता को ध्यान में रखते हुए, इस क्षेत्र के उद्यमियों के पास डीकार्बोनाइजेशन से जुड़ी कार्यवाही के लिए ज़रूरी जानकारी उपलब्ध कराने के इरादे से, एसएमई क्लाइमेट हब ने भारत में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। देश के एमएसएमई को उनके विशाल सामूहिक जलवायु प्रभाव को मापने, समझने और कम करने के लिए सशक्त बनाने के इरादे से बना यह प्लेटफॉर्म नि:शुल्क उपलब्ध है। यह पहल विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के लिए उनकी जलवायु यात्रा को शुरू करने के लिए डिज़ाइन किए गए ऑनलाइन टूल और संसाधन प्रदान करती है। सबसे रोचक टूल है बिजनेस कार्बन कैलकुलेटर जिसका उपयोग कर एमएसएमई उद्योगपति सबसे पहले अपने एमिशन के मुख्य स्रोतों की पहचान कर सकते हैं। इस जानकारी के आधार पर कार्बोनाइजेशन की कार्यवाही करना आसान होगा। साथ ही, इसमें उपलब्ध क्लाइमेट फिट पाठ्यक्रम जलवायु परिवर्तन साक्षरता के निर्माण के लिए छोटे लर्निंग मॉड्यूल प्रदान करता है। और इसमें एक केंद्रीकृत रिपोर्टिंग टूल एमएसएमई को सार्वजनिक जलवायु प्रतिबद्धताओं के सापेक्ष अपनी सालाना एमिशन में कटौती को ट्रैक करने देता है। फिलहाल इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से 200 से अधिक भारतीय छोटे व्यवसायों ने अपनी जलवायु प्रतिबद्धता पर हस्ताक्षर कर दिये हैं। इसके अंतर्गत साल 2030 तक एमिशन को आधा करने और 2050 तक नेट ज़ीरो तक पहुंचने का वादा है। साथ ही, यह 200 से अधिक उद्यम वैश्विक स्तर पर अपने जैसे 6,500 से अधिक साथियों के समूह में शामिल हो गए हैं। अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एसएमई क्लाइमेट हब की निदेशक पामेला जौवेन कहती हैं, 卐जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी आकार के व्यवसायों में तेजी से जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता है। बात भारत की करें तो मुझे ऐसा लगता है थोड़े मार्गदर्शन के साथ, भारतीय एमएसएमई डीकार्बोनाइजेशन के मार्ग पर बहुत आगे और तेजी से बढ़ सकते हैं। यह पहल सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल बिजनेस और एस्पेन नेटवर्क ऑफ डेवलपमेंट एंटरप्रेन्योर्स के सहयोग से भारत में यह पहल शुरू की गई है। इसका उद्देश्य कार्यशालाओं, सहकर्मी शिक्षण और सरकार, उद्योग और वित्त समूहों के साथ साझेदारी विकसित करके एमएसएमई के बीच जलवायु जागरूकता और क्षमता का निर्माण करना है। इस पर सेंटर फॉर रिस्पांसिबल बिजनेस की निदेशक देवयानी हरि बताती हैं, 卐पहले भारतीय एमएसएमई के बीच जलवायु महत्वाकांक्षा का मापना, और फिर उन्हें एक वैश्विक मंच पर लाना दुनिया को यह संकेत देने के लिए अच्छा प्रयास है कि भारतीय एमएसएमई वैश्विक डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों में नेतृत्व कर सकते हैं और करेंगे। चलते चलते यह कहा जा सकता है कि जलवायु संकट गहराने के साथ, अब कार्रवाई का समय आ गया है। समाधान का हिस्सा बनना न सिर्फ भारतीय एमएसएमई की जिम्मेदारी है, बल्कि ऐसा कुछ करना उसके अपने हित में भी है। इस दिशा में उचित कार्यवाही न करना इस क्षेत्र के लिए भारी भी पड़ सकता है। अच्छी बात यह है कि एमिशन में कटौती को अपनाने से न सिर्फ इनोवेशन देखने को मिलेंगे बल्कि, निर्माण क्षमताओं के टिकाऊ बनने, बचत, और नए राजस्व स्रोत भी खुल सकते हैं। इस दिशा में एसएमई क्लाइमेट हब जैसे प्लेटफ़ॉर्म छोटे व्यवसायों को उनके जलवायु प्रभाव को समझने और इसे कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाने के लिए आवश्यक व्यावहारिक टूल और जानकारी से लैस करते हैं। यह एमएसएमई को राष्ट्रीय और वैश्विक जलवायु लक्ष्यों में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाता भी दिखता है, जिसके चलते भविष्य में आगे बढ़ने की उनकी क्षमता भी मजबूत होती दिखती है।

जब एमएसएमई सस्टेनेबिलिटी को आगे बढ़ाने के लिए एक क्षेत्र के रूप में हाथ मिलाते हैं, तो वे अपने कुल प्रभाव को बढ़ाते हैं और एक शक्तिशाली संकेत भेजते हैं कि जलवायु कार्रवाई भी व्यवसाय करने का अभिन्न अंग है। अब देखना ये है कि यह पहल कितनी कारगर साबित होती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं अलाइव न्यूज के मुख्य संपादक है।)

व्लॉगर्स : मिलिए नए युग के 'ज्ञानियों' से

रजनीश कपूर

सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में आजकल जिसे भी कोई जानकारी चाहिए होती है वो तुरंत अपने स्मार्टफोन पर इंटरनेट की मदद से उसे खोज लेता है, परंतु कभी-कभी कुछ विशेष जानकारी पाने के लिए आपकी सहायता करने कुछ अनजाने लोग भी आ जाते हैं, जो आपको संबंधित वस्तु या स्थान के बारे में हर पहलू से वाकिफ कर देते हैं। ऐसा काम पहले ब्लॉगर करते थे, जो विभिन्न विषयों पर उपयुक्त जानकारी को जनहित में किसी वेबसाइट पर प्रकाशित कर देते थे। आजकल के युग में ब्लॉगर की जगह व्लॉगर्स ने ले ली है। यह ब्लॉगिंग का ही आधुनिक रूप है, जिसमें एक ब्लॉगर स्वतंत्र माध्यम से लोगों के साथ अपनी बात, ज्ञान, कौशल, अनुभव इत्यादि को वीडियो के माध्यम से शेयर करता है।

व्लॉगिंग शब्द अंग्रेजी भाषा के दो शब्द 'वीडियो' और 'लॉग' को मिलाकर बनाया गया है। इस तरह से यह पूरा शब्द वीडियोलोग बना जिसका मतलब वीडियो की क्रमानुसार एंट्री होता है। जब से लोगों के हाथों में स्मार्टफोन आए हैं वे सोशल मीडिया के विशाल सागर में किसी न किसी माध्यम से डुबकी लगा रहे हैं। फिर वो चाहे अजीबो-गरीब रील्स का बनाना हो या किसी न किसी विषय पर व्लॉगिंग करना हो। सोशल मीडिया के इस युग में हर कोई अपनी जगह बनाना चाहता है। सोशल मीडिया में काफी समय से अपना स्थान बनाए हुए जाने माने प्लेटफार्म में सबसे ऊपर है यूट्यूब। यह एक ऐसा माध्यम है जहां आप किसी भी विषय पर जानकारी को साझा कर सकते हैं। यदि आपकी जानकारी वाला वीडियो यूट्यूब के मानकों पर सही उतरता है तो आप इस माध्यम से कमाई भी कर सकते हैं। आज के युग में लोग किसी भी जानकारी को पढ़ने से ज्यादा देखना पसंद करते हैं। वीडियो के माध्यम से उन्हें चीजें जल्दी समझ में भी आती हैं। व्लॉगिंग के माध्यम से व्लॉगर अपने विचारों को दर्शकों तक वीडियो के माध्यम से बहुत आसानी के साथ पहुंचा सकते हैं। व्लॉगर अपनी रूचि या इच्छा के अनुसार किसी भी विषय पर वीडियो बना सकते हैं और अगर वे किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी राय देना चाहते हैं तो वह भी दे सकते हैं। इसके साथ-साथ अगर कोई व्लॉगर किसी प्रोडक्ट के बारे में लोगों को यह बताना चाहते हैं कि उसके फायदे और नुकसान क्या-क्या हैं तो इसे भी व्लॉगिंग के माध्यम से लोगों के साथ शेयर किया जा सकता है। व्लॉगिंग के द्वारा व्लॉगर अपनी ऑडियंस के साथ सीधे जुड़ जाते हैं क्योंकि जब वे किसी एक विशेष मुद्दे या विषय पर वीडियो बनाते हैं तो उनके दर्शकों को यह पता होता है कि वे किस विषय में बेहतर हैं और यही विषय उन्हें उनके दर्शकों से जोड़े रखता है। जाहिर सी बात है कि जैसे ही किसी व्लॉगर के दर्शकों की संख्या बढ़ने लगती है वे उनके बीच मशहूर होने लग जाते हैं। जितने ज्यादा दर्शक, उतने ही ज्यादा फायदे। यहां से वे यूट्यूब के साथ-साथ अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी अपनी पहचान बनाना शुरू कर सकते हैं। जैसे ही इनके दर्शकों की संख्या हजारों-लाखों में पहुंच जाती है तो इन्हें 'सोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर' की उपाधि मिल जाती है। इसके बाद ये किसी भी मुद्दे पर बोलेंगे तो इनकी बात सुनी जाएगी। जैसे ही कोई व्लॉगर इस उपाधि को पा लेता है तो उसका कमाई का जरिया भी खुल जाता है। सोशल मीडिया में ऐसे तमाम जरिये हैं जहां पर न सिर्फ विज्ञापन के जरिये इन व्लॉगर्स को आर्थिक मदद मिलती है बल्कि कई ऐसे उत्पादन भी हैं, जिनका विज्ञापन करने से इनको फायदा पहुंचाता है। आज के युग में जहां युवाओं के पास रोजगार के कुछ ठोस अवसर नहीं हैं तो कम खर्च में व्लॉगर बनना एक अच्छा विकल्प है, जिससे आप सीमित साधनों से न सिर्फ खुद का बल्कि औरों का फायदा भी कर सकते हैं।

अक्सर बड़े-बड़े शहरों में रहते हुए हमें अपने ही शहरों में कई मशहूर जगहों के बारे में मालूम ही नहीं होता, परंतु जब से यह व्लॉगर काल शुरू हुआ है अपने शहर ही नहीं दुनिया भर की मशहूर जगहों को बताने वालों की एक लंबी फेहरिस्त है। जैसे ही आप सोशल मीडिया पर अपनी रु चि के विषयों को खोजना शुरू करते हैं, उस विषय से संबंधित व्लॉगर के वीडियो खुद-ब-खुद आपके सामने आने लग जाते है। इन व्लॉगर्स के वीडियो को कितनी बार देखा गया है या उनके कितने दर्शक हैं, इस बात से आपको इनके बारे में पता चल जाता है। इतना ही नहीं इनके वीडियो के नीचे तमाम दर्शकों की प्रतिक्रिया भी अंकित होती है जो आपको काफी मददगार सिद्ध होती है। इसके बाद यदि आप इस वीडियो के आधार पर स्वयं उस वस्तु, स्थान या विषय का अनुभव करते हैं तो आपको पता चल जाता है कि उस वीडियो की सच्चाई क्या है। अक्सर ऐसे वीडियो में दी गई जानकारी सही ही साबित होती है, परंतु आज ऐसे भी कई व्लॉगर आ चुके हैं, जो अपने स्वार्थ के चलते दर्शकों को भ्रामक जानकारी भी देते हैं। इनका पर्दा तब उठता है जब कोई दर्शक इनके बताए ज्ञान को स्वयं जाँच लेता है। शायद इसीलिए कहा गया है कि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। सोच-समझ कर ही इनके कहे पर चलें।

एडीसी ने की ट्रैफिक प्रबंधों की समीक्षा बैठक

Faridabad/Alive News

एडीसी आनंद शर्मा ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की पूर्ण रूप से पालना सुनिश्चित हो। एडीसी आनन्द शर्मा शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष ट्रैफिक नियमों की पालना के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कहा ऑटो और बसों पर अधिक से अधिक संख्या में रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं। प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर यातायात व्यवस्था को सुचारू ढंग से चलाए। वहीं बार बार ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किया जाए।

एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा कि जिला फरीदाबाद में प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर यातायात व्यवस्था को सुचारू ढंग से चलाए। बार- बार ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किया जाए। वहीं ऑटो चालकों और बाइकर्स की विशेष निगरानी करना सुनिश्चित करें। एडीसी आनंद शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने के लिए जिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी को जो भी दायित्व मिला है। वह उसकी गंभीरता से पालना करना सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सड़क सम्बन्धी समस्याओं को जल्द दे जल्द दुर करें। सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक में एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम एसीपी ट्रैफिक विष्णु दत्त, यूएलबी, एफएमडीए तथा एनएचएआई सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी और सड़क सुरक्षा के पदाधिकारी उपस्थित उपस्थित रहे।

वैष्णोदेवी मंदिर में पुराने साल को विदाई और नए साल का जोरदार स्वागत किया

Faridabad/Alive News

सिद्धपीठ महारानी माता वैष्णोदेवी मंदिर में पुराने साल को धूमधाम से विदाई दी गई और नए साल का उत्साह व उल्लास के साथ स्वागत किया गया। मंदिर प्रांगण में 31 दिसंबर की रात्रि को माता की भव्य चौकी का आयोजन कर नए साल पर सभी लोगों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की गई। इस मौके पर राज सहगल एंड पार्टी ने अपने भजनों एवं महामाई के गुणगान से भक्तों को जमकर नचाया और माता रानी की भक्ति में लीन कर दिया। इस अवसर पर मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने माता रानी से लोगों की सुख समृद्धि की कामना की तथा भगवान से प्रार्थना की कि नया साल सभी के लिए ढेर सारी खुशियां लेकर आए। जागरण में मंदिर संस्थान के चेयरमैन प्रताप भाटिया, फकीर चंद कथूरिया, दिनेश चितकारा, प्रीतम धमीजा, अनिल ग्रोवर, गुरमीत कौर, सीमा, बलवीर सहित काफी अधिक संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। रात्रि 9 बजे आरंभ हुई माता की चौकी नए साल के आगमन 12 बजे तक जारी रही। इस अवसर पर भारी संख्या में भक्तों ने माता की चौकी में महामाई का गुणगान किया तथा पूरे समय महामाई के भजन एवं गीतों पर झूमते रहे। मंदिर में विशेष तौर पर भंडारे का आयोजन भी किया, जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने आए हुए सभी श्रद्धालुओं का स्वागत

किया तथा कहा कि वह माता रानी से विशेष तौर पर प्रार्थना करते हैं कि नया साल सभी लोगों के लिए सुख समृद्धि और खुशियां लेकर आए। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति नए साल में भी मंदिर संस्थान द्वारा समय समय पर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। इसमें प्रमुख तौर पर रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर एवं गरीब कन्याओं के लिए निशुल्क परिचय सम्मेलन एवं विवाह का आयोजन रहेगा, जिसमें गरीब कन्याओं का विवाह करवाने के साथ साथ उन्हें परिवार व गृहस्थी चलाने के लिए दान दहेज भी दिया जाएगा। इसके अलावा धार्मिक तौर पर जागरण एवं सभी पर्वों का उत्साह पूर्वक आयोजन भी किया जाएगा। भाटिया ने लोगों से अपील की की 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर काव्य उद्घाटन होने जा रहा है इस अवसर पर पूरे देश में दीपावली पर्व मनाया जाएगा. अतः आप सभी भक्तों से भी प्रार्थना है कि आप भी 22 जनवरी को दीपावली पर्व मनाकर श्री राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के साक्षी बने।

आइडियल स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता और क्रिसमस कार्निवल का आयोजन

Faridabad/Alive News

अगवानपुर के आइडियल पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता और क्रिसमस कार्निवल का आयोजन किया। स्कूल प्रांगण में एथलेटिक्स गेम्स में स्कूल की सभी क्लास के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों के लिए स्वादिष्ट भोजन के स्टॉल लगाए गए और जहां बच्चों के अपने माता-पिता के साथ इडली सांभर, मोमोज, स्टफ कुलचे, गोलगप्पे और कई अन्य वस्तुओं का आनंद लिया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता और क्रिसमस कार्निवल में वार्ड नंबर 26 की पूर्व पार्षद सोमलता भड़ाना, प्रो कबड्डी खिलाड़ी नितिन मावी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर स्कूल संस्थापक एवं अध्यक्ष फूलचंद भड़ाना, चेयरमैन राकेश भड़ाना, डायरेक्टर डॉ. सुदेश भड़ाना और प्रिंसिपल रीता खन्ना ने आए हुए अभिभावकों व अतिथियों का स्वागत किया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को स्कूल संस्थापक एवं अध्यक्ष फूलचंद भड़ाना, चेयरमैन राकेश भड़ाना, डायरेक्टर डॉ. सुदेश भड़ाना और अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के छात्रों को भी आमंत्रित किया गया था। अतिथि द्वारा मशाल जलाकर और हवा में गुब्बारे का गुच्छा छोड़ा विभिन्न खेलों का शुभारंभ किया गया। एथलेटिक्स गेम्स में मनोरंजक दौड़, रस्साकशी, ऊंची कूद आदि विभिन्न स्पर्धाओं का प्रदर्शन किया गया और उसके बाद कबड्डी का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल द्वारा वार्षिक रिपोर्ट पेश की गई। डायरेक्टर डॉ. सुदेश भड़ाना ने छात्रों को प्रेरित किया और चेयरमैन राकेश भड़ाना ने छात्रों से कहा कि उन्हें खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए।

मतदाता सूची को दुरुस्त कर 22 जनवरी, 2024 को किया जाएगा अंतिम प्रकाशन

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि आगामी 22 जनवरी, 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा, जिसके दृष्टिगत मतदाता सूची को दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है। वहीं मतदाता सूची की इलेक्ट्रॉल कॉपी प्राप्त करने के लिए राजनीतिक पार्टियों को लिखित रूप में भी अवगत कराया जा रहा है। पारदर्शी वोटर लिस्ट ही पारदर्शी चुनाव का आधार है। आयोग का मुख्य ध्येय पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है। डीसी विक्रम बुधवार को यह दिशा-निर्देश पंजीयन अधिकारियों को विभिन्न राजनीतिक पार्टियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित मंत्रणा बैठक में दे रहे थे। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी से अश्विनी कुमार गुलाटी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से वीरेंद्र सिंह डंगवाल, बहुजन समाज पार्टी से उपकार सिंह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से मिथलेश कुमार मौजूद रहे। डीसी विक्रम सिंह ने आगे बताया कि आगामी मतदाता सूची के लिए अब 12 जनवरी 2024 तक प्राप्त दावे व आपत्तियां का निपटारा किया जाना है और मतदाता सूची को दुरुस्त कर अंतिम प्रकाशन आगामी 22 जनवरी, 2024 को किया जाएगा।

डीसी विक्रम सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार जिला फरीदाबाद सभी ईआरओ और एईआरओ को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि वह निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार यथाशीघ्र इलेक्ट्रॉल मतदाता सूची में जो छोटी मोटी त्रुटियां हैं। उन्हें दूर करना सुनिश्चित करें और जिस भी अधिकारी के ने यह कार्य गंभीरता से नहीं किया और मतदाता सूची का भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार अपडेट नहीं किया उसके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में एडीसी आनंद शर्मा, एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, एसडीएम बड़खल अमित मान, जिला शिक्षा अधिकारी आशा दहिया सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

18 जनवरी को होगा हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन

Faridabad/Alive News

डीसी कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन 18 जनवरी को हरियाणा सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार किया जाएगा। डीसी कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि आगामी 03 जनवरी तक ईआरओ के कार्यालयों में नाम दर्ज करवाने के लिए दावे और आपत्ति करवाए जा सकते हैं। डीसी विक्रम सिंह शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए मतदाता सूची के फाइनल ड्राफ्ट बारे बारीकी से समीक्षा कर सम्बंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए मतदाता सूची हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची में तीन जनवरी 2024 तक नाम दर्ज करवा सकते हैं। एसडीएम अमित मान को बड़खल क्षेत्र और एसडीएम त्रिलोक चंद को बल्लभगढ़ क्षेत्र के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए केसधारी युवाओं और नाम के साथ कौर लगाने वाली सिक्ख धर्म लोगों के वोट बनाए जा रहे हैं। समीक्षा बैठक में फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण/एफएमडीए की ज्वाइंट कमिश्नर कम गुरुद्वारा कमेटी चुनाव की नोडल अधिकारी गौरी मिड्ढा ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के चुनाव के लिए मतदाता सूची का मसौदा 18 दिसंबर 2023 को प्रकाशित किया जा चुका है। वहीं मतदाता सूची के प्रारूप की एक प्रति संबंधित उपायुक्त/ डीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसकी प्रति संबंधित उपायुक्त, रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी के कार्यालय और ऐसे क्षेत्र में स्थित प्रत्येक अधिसूचित सिख गुरुद्वारों में भी उपलब्ध है।

उन्होंने आगे बताया कि कोई भी सिक्ख जो सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार गुरुद्वारा कमेटी चुनाव में मतदाता के लिए अपेक्षित योग्यता पूरी करता है और उसने अभी तक अपना नाम हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की मतदाता सूची में दर्ज नहीं करवाया है, वह तीन जनवरी 2024 तक अपना नाम दर्ज करवाने के लिए रिटर्निंग अधिकारी व सहायक रिटर्निंग अधिकारी को आवेदन कर सकता है। गुरुद्वारा कमेटी चुनाव के लिए मतदाता नाम पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी के कार्यालय में उपलब्ध है और इसे संबंधित कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट गुरू द्वारा इलैक्शन एचआर वाई.इन से भी डाउनलोड किया जा सकता है।समीक्षा बैठक में एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, एसडीएम बड़खल अमित मान, एफएमडीए की संयुक्त आयुक्त गौरी मिड्ढा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

टूटी ट्यूबल की पाईप लाईन को खुद ठीक करने को मजबूर हैं वार्ड-9 के लोग

Faridabad/Alive News

ट्यूबवेल से पानी लीक होने के कारण आसपास के मकानों में सीलन आने से महिलाओं ने नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ रोष प्रकट किया।वार्ड 9 में हरिचंद साइकिल वाली गली में नगर निगम द्वारा बोर कर ट्यूबवेल लगाया हुआ है। ट्यूबवेल से पानी लीक होने की वजह से जमीन में गड्ढा बन गया है । जिसमें पानी भरने के बाद आसपास के मकानों की नींव में पानी जा रहा है। इसकी वजह से मकानों के फर्श में सीलन आ गयी है और अब लोगों को मकान धंस जाने की चिंता सताने लगी है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत करीब तीन महीने पहले नगर निगम अधिकारियों को दी थी लेकिन इस पर अधिकारियों ने कोई कार्यवाही नहीं की।आज शुक्रवार को स्थानीय लोगों अधिकारियों के खिलाफ रोष जताते हुए जल्द समाधान की मांग की।

क्या कहना है स्थानीय लोगों का

हमारे यहां नगर निगम ने ट्यूबवेल लगाया हुआ है इसमें से करीब 3 महीने पहले से पानी लीक हो रहा है।जिसकी वजह से जमीन धंसने से गड्ढे हो गया है। ट्यूबवेल चलाने पाइप से लीक होकर पानी गड्ढे के माध्यम से मकान की नींव में जा रहा है।

कलावती, स्थानीय निवासी वार्ड-9

हमने पूर्व पार्षद और नगर निगम के अधिकारियों को करीब तीन महीने पहले शिकायत की थी कि हमारे मकान मे। पानी नही आ रहा और पानी न आने की वजह भी बताई थी कि ट्यूबवेल के पास से ही पाइप टूटी हुई है लेकिन अधिकारियों ने तीन महीने बीतने के बाद भी कोई समाधान नहीं किया। अब लीकेज वाली जगह के आसपास के मकानों में पानी जाने की वजह से फर्श बैठ रहे हैं।

-विमलेश, स्थानीय निवासी वार्ड-9

क्या कहना है अधिकारी का

मेरे पास नगला एन्क्लेव पार्ट दो से कोई ऐसी शिकायत नहीं आयी है आपके माध्यम से पता चला है जेई को भेजकर जल्द पता लगाया जाएगा और जल्द समाधान कराया जायेगा।

राजेश शर्मा, एसडीओ-नगर निगम

नगर निगम के सभागार में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

Faridabad/Alive News

बल्लभगढ़ में बनाए जा रहे नगर निगम सभागार मेंलिफ्ट और सीसीटीवी कैमरेलगाए जाएंगे। एक मंजिला सभागार में लिफ्ट लगाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। अगले चार माह के अंदर नगर निगम सभागार पूरी तरह तैयार होने की उम्मीद है।

जिस जगह पर नगर निगम द्वारा सभागार बनाया जा रहा है। वहां पहले भी एक भवन था, जिसे गांधी भवन के नाम से जाना जाता था। इस भवन का 16 मई 1987 को उद्घाटन किया था। सन् 1996 के जनवरी माह में यहां पर एसडीएम (सब डिविजनल मजिस्ट्रेट) कार्यालय बना दिया गया था। सन् 2005 तक यहां पर एसडीएम कार्यालय चलता रहा। 11 फरवरी सन् 2009 में तत्कालीन

मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने यहां पर सभागार बनाने के लिए शिलान्यास किया था।

इसके पांच वर्ष बाद सन् 2014 के मई माह में यहां पर नगर निगम सभागार का निर्माण कार्य शुरू हो गया था। 40 फीसदी निर्माण कार्य होने के बाद बजट के अभाव में इसका कार्य ठप पड़ गया था। लेकिन, नगर निगम के पास पैसों की कमी के कारण कार्यरुक गया। इसके बाद बल्लभगढ़ के विधायक एवं परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने प्रदेश सरकार से इसके निर्माण के लिए10 करोड़ रुपये का फंड मंजूर करवा दिया था। बजट मिलने के बाद से इसके निर्माण कार्य में रफ्तार आई। अब इसका ढांचा खड़ा हो चुका है। अगले साल करीब चार माह के अंदर इसका निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद है।नगर निगम सभागार एक मंजिला बनाया जा रहा है। इस परियोजना में लोगों की सुविधा के लिए लिफ्ट भी लगाई जाएगी।

इसके अलावा यहां सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर करीब 20 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। इसके लोक निर्माण विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने बजट मंजूरी के लिए मुख्यालय भेज दिया है। जबकि लिफ्ट लगाने के लिए कंपनी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसके अलावा विभाग द्वारा सभागार के मंच पर प्रकाश व्यवस्था, पर्दे और वीडियो प्रोजेक्शन की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके लिए विभाग द्वारा 65 लाख 84 हजार 568 रुपयेका बजट खर्च किया जाएगा। सभागार वातानुकूलित होगा। इसके लिए यहां पर एयर कंडीशन भी लगाए जाएंगे।

डीएवी स्कूल-49 में स्कॉलर बैच समारोह आयोजित

Faridabad/Alive News

बुधवार को सैनिक कालोनी सेक्टर-49 के डीएवी पब्लिक स्कूल में स्कॉलर बैच समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भूमि इंटरनेशनल मथुरा के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं भारत के प्रमुख उद्योगपति व समाजसेवी सुरेंद्र कुमार उतरेजा और अभिभावकों के साथ अन्य गणमान्य लोगों का स्कूल के प्रधानाचार्य राजन गौतम ने स्वागत किया। साथ ही प्रधानाचार्य राजन गौतम ने स्कूल की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान कक्षा तीसरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। वहीं देश भक्ति गीतों पर आधारित नृत्य ने सभी बच्चों, अभिभावकों और अतिथियों में देश के लिए जोश भर दिया। जिसके बाद प्रधानाचार्य व मुख्य अतिथि द्वारा विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियां के लिए बैच व प्रमाण पत्र भेट कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि सुरेंद्र कुमार उतरेजा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ाने के लिए अपनी सोच को सकारात्मक रखकर लक्ष्य को निर्धारित करना चाहिए और काम को तपस्या समझ कर करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ और राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।

नए साल के स्वागत के लिए मानव रचना में महामृत्युंजय यज्ञ का शुभारंभ

Faridabad/Alive News

मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) में मंगलवार को नए साल के स्वागत के लिए महामृत्युंजय यज्ञ का शुभारंभ हुआ। सभी की सुख-शांति और मंगलकामनाओं के लिए संस्थान की ओर से हर साल आयोजित होने वाले इस यज्ञ में पहले दिन संस्थान के सभी गणमान्य व्यक्तियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संस्थान में हर साल 26 दिसंबर से 31 दिसंबर तक रोज़ाना अलग-अलग विभाग की ओर से पूजा-अर्चना और यज्ञ किया जाता है, इसके बाद 1 जनवरी को पूर्णाहूति दी जाती है। हर साल एक जनवरी को संस्थान में हवन और इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें मानव रचना परिवार के सभी सदस्य शामिल होते हैं। पहले दिन हवन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त आईएएस विक्रम सिंह सहित चीफ पेट्रन सत्या भल्ला, अध्यक्ष एमआरईआई डॉ. प्रशांत भल्ला, उपाध्यक्ष एमआरईआई डॉ. अमित भल्ला, सेक्टर-21सी व चार्मवुड फरीदाबाद निशा भल्ला, प्रबंध निदेशक एमआरईआई राजीव कपूर, उपकुलपति एमआरआईआईआरएस डॉ. संजय श्रीवास्तव, उपकुलपति एमआरयू डॉ. आईके भट्ट सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। चीफ पेट्रन सत्या भल्ला ने कहा कि, 'इस यज्ञ के साथ हम सभी लोगों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि की कामना करते हैं। नया साल सभी के लिए मंगलकारी हो यही इसी आशा के साथ साप्ताहिक यज्ञ शुरू क्या गया है। डॉ. अमित भल्ला ने कहा कि, 'हर साल संस्थान में महामृत्युंजय यज्ञ किया जाता है, सामाजिक सद्भाव, प्रेम और खुशहाली की मंगलकामनाओं के साथ इसकी शुरुआत हो चुकी है। '

भारत के निर्माण में कांग्रेस का बहुत बड़ा योगदानः विजय प्रताप

Faridabad/Alive News

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 139वें स्थापना दिवस के अवसर पर बडख़ल विधानसभा से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ चुके कांग्रेस नेता विजय प्रताप सिंह ने सर्वप्रथम कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं और देशवासियों का स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आजादी से पूर्व देश कांग्रेस की विचारधारा के साथ था और उसी विचाराधारा के तहत कांग्रेस ने पूरे देश में आजादी की अलख जगाई और लोगों ने कांग्रेस की विचारधारा के साथ एकजुट होकर देश के स्वतंत्रता संग्राम को लड़ा और गुलामी से आजादी दिलवाने में अहम योगदान दिया। देश की आजादी में महात्मा गांधी, पं जवाहर लाल नेहरू, सुभाषचन्द्र बोस, मुलाना आजाद, सरदार पटेल, डॉ भीमराव अम्बेडकर सहित अनेक नेताओं का महत्वपूर्ण

योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के निर्माण में कांग्रेस का बहुत योगदान है इसलिए आज कांग्रेस का स्थापना दिवस नही बल्कि लोकतंत्र का स्थापना दिवस है।

विजय प्रताप ने बताया कि कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दी है और इन्हीं कुर्बानियों की बदौलत हमें आजादी मिली और आजादी मिलने के बाद उन्नत भारत की नींव भी कांग्रेस ने ही रखी। उन्होंने कहा कि पिछले 70 सालों के दौरान कांग्रेस ने देश को मजबूत बनाने में कोई कोर कसर बाकि नहीं छोड़ी, देश में सुई से लेकर जहाज तक का निर्माण कांग्रेस पार्टी की ही देन रही है।

इस अवसर पर एआईसीसी के सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता उमेश पंडित, विजयपाल सरपंच, अक्षय चंदीला, बिल्लू मावी, राजेश वर्मा, मनोज पायला, राहुल सरदाना सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कबड्डी मैच के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणाम के लिए किया जागरुक

Faridabad/Alive News

गांव कबुलपुर बांगर में खेल प्रतियोगिता के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणाम के संबंध में जागरुक किया है। खेल प्रतियोगिता में पुलिस चौकी सिकरोना इंचार्ज प्रदीप कुमार,गांव कबुलपुर बांगर के सरपंच जगत सिंह, ब्लॉक समिति के चैयरमैन रविन्द्र डागर, रेफरी फिरोजपुर कलां से बलबीर सिंह के द्वारा कबड्डी का मैच प्रतियोगिता कराकर युवाओं को नशे के दुष्परिणाम के लिए जागरुक किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव कबुलपुर और फिरोजपुर के युवाओ की टीम का कबड्डी मैच का आयोजन कराकर आज आमजन को नशे के दुष्परिणाम के संबंध में जागरूक किया है। इस प्रतियोगिता में गांव कबुलपुर की टीम ने मैच जीता था। युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए तथा खेल कूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। दो टीमों के बीच मे कबड्डी मैच का आयोजन कराया गया और इस मुहिम के दौरान नोजवान युवाओ को समाज मे नशा से होने वाले दुषप्रभाव, नशा से होने वाली हानि के बारे जागरुक किया गया युवाओं को साइबर अपराध, डायल-112 की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही लोगों से पुलिस की अपील की है कि अगरआप के एरिया में कोई नशा बेचता है तो उसकी सूचना आप पुलिस को दे, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। आप लोगो शहर को नशा मुक्त बनाने में अपनी भागीदारी दे सकते है। पुलिस टीम ने युवाओं को नशे के चंगुल से बचने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इसके साथ ही जागरूकता अभियान का समापन किया गया। सभी युवाओं ने पुलिस टीम द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान के लिए उनका तहे दिल से धन्यवाद किया।

Haryana News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

Ideal School students auditioned for the Film

Faridabad/Alive News

On Friday, students of Ideal Public School Agwanpur got a chance to showcase their talent in the field of acting, singing and dancing. There was enthusiasm among the students regarding this audition, they impressed everyone with their brilliant performance in their audition. Producer of the film "Chillar Gang" Drona Ramnarayan along with his team reached the school to take audition of children for the upcoming film "Samadhan 18" under DMW Creator Production House. This film based on children's problems is being made under the direction of Tarun Mohammad. The students of Ideal Public School looked very excited while giving the audition. All this was done under the supervision of OTF coordinator Ritu Aggarwal. Chairman Rakesh Bhadana was very happy to see the talent of the students and praised their performance.

अब करीब डेढ़ करोड़ से बदलेगी रोज गार्डन की सूरत

Faridabad/Alive News

बड़खल क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक सीमा त्रिखा ने आज एनआईटी स्थित रोज गार्डन के पुनर्उद्धार के तहत करीब एक करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से होने वाले रोज गार्डन की बाउंड्री वॉल, गार्ड रूम, माली रूम एवं ग्रीन रूम सत्संग मंडल, शौचालय तथा पैंट्री के कार्य के नवनिर्माण का शुभारंभ सत्संग मंडल के सदस्यों एवं शहर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों से कराया। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने सीमा त्रिखा का फूलमालाओं से स्वागत कर इन विकास कार्यों को कराने पर हार्दिक आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि यह निर्माण कार्य आगामी चार महीने में बनकर तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज बड़खल विधानसभा क्षेत्र का कोई ऐसा कोना नहीं है जहां विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। क्षेत्र में इन दिनों हर ओर विकास कार्य चल रहे हैं और जहां कहीं थोड़ी बहुत कमी है उन्हें भी शीघ्र पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सभी पार्कों का सौंदर्यीकरण करने के साथ-साथ उनमें जिम के उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं ताकि क्षेत्र वासियों का स्वास्थ्य बेहतर रह सके। वहीं त्रिखा ने लोगों का आह्वान किया कि वे पार्कों को साफ-सुथरा रखने में प्रशासन का सहयोग करें ताकि आमजनों को यहां अपने परिवार के साथ घूमने आने पर बेहतर अनुभव हो और किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े। विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि प्रदेश के जनप्रिय मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व व स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की देखरेख में बड़खल विधानसभा क्षेत्र निवासियों को हर प्रकार की जनसुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।इस अवसर पर सत्संग मण्डल रोज गार्डन से गोपीचन्द आहूजा, शक्ति सेवा दल के प्रधान मोहनलाल अरोड़ा, भवानी दास मलिक, गोपीचंद रतड़ा, ओमप्रकाश खत्री, धर्मचंद लाल, गुरुप्रसाद गांधी, डॉ. अशोक खत्री, सुभाष चंद्र अरोड़ा, प्रभुदयाल मुंजाल, फकीरचंद कुकरेजा, पुरुषोत्तम लाल सचदेवा, कंवर भान खत्री, हरबंस लाल बांगा, प्रेम कपूर, शमशेर सिंह कथूरिया, अनिल कपूर, ओम प्रकाश ढींगड़ा, बिशम्बर भाटिया, कमलेश भाटिया, पुनीत रहेजा, पूजा विरमानी आदि।

JC Bose University's faculty members selected for R&D Grant

Faridabad/Alive News

Faculty members of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, have been selected to receive research grant amount to Rs. 70 lakhs from Haryana State Council for Science, Innovation and Technology under Department of Science and Technology, Haryana, for their Research and Development (R&D) Projects which aims to encourage young scientists and inventors for pursuing innovative research ideas which have direct relevance to the development of the State.

The Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar has congratulated the faculty members on their selection for their research grants and said that the grant will definitely boost the research activities in the University and provide technical solutions to address various

issues in the State. Registrar Dr. Meha Sharma has also congratulated the faculty members. The selected faculty members will receive grants of Rs 40 Lakhs and 30 Lakhs, respectively, for their Research and Development Projects to undertake research in the next three years.

The faculty members who have been selected for receiving grants are Dr. Preet Kaur, Associate Professor in the Electronics Engineering Department as Principal Investigator and Dr. Sonia Bansal, Professor, Department of Physics as Co-Principal Investigator for their project on Smart Agriculture using Nano Antenna Sensor System and will receive Rs 40 Lakhs grant for the Research Project titled "Design and Development of Nano Antenna Sensor System for Real-Time Analysis in Smart Agriculture".

Similarly, Dr. Somvir Bajar, Assistant Professor in the Department of Environmental Sciences as Principal Investigator and Dr. Anurag Prakash Sunda, Assistant Professor in the Department of Chemistry Department as Co-Principal Investigator for their research project on Volatile Organic sources of Air pollution in Ambient Air and their Quantum Analysis for NCR Region and will receive grant of Rs 30 Lakhs for the Project titled "Volatile Organic Compounds in Ambient Air: Source Apportionment and DFT/Quantum Analysis for NCR Region."

DAV School students excelled in badminton competitions

Faridabad/Alive News

Students of DAV Public School, Sector-49, excelled in badminton and won various tournaments. At the Shining Star Tournament at ProStar Badminton Academy on 16 December, Krishna won a silver medal in boys' singles U17. At the Mantor Cup held in Mantor Badminton Academy at Angels Public School, Sector 21A on December 10, Krishna exhibited exceptional skill by winning gold in Boys' Singles U15 and U17. Notably, Krishna was awarded the title of the Player of the Mantor Cup Tournament.

In the Faridabad District Ranking 2023, Krishna and his partner Ayush secured the second position in Boys' Doubles U15. Nirmala Thapa, mother of Krishna Koothur, displayed remarkable talent in the Faridabad District Masters Badminton Championship. She secured gold in Women's Singles 40+, Women's Doubles 40+, and Mixed Doubles 40+. At the Faridabad District Badminton Ranking held at Manav Rachna Sports Academy from December 23 to 25, 2023, Chhavi Yadav claimed the top position in both the Under 17 Girls and Under 19 Girls category.

Devanshi Banga achieved the first runner-up position in the Under 19 Girls category at the same Faridabad District Badminton Ranking event. Jatin and Ketan Nagar secured the first position in

Boys' Doubles Under 19 category at the Faridabad District Badminton Ranking. Aayush Bhatiya secured the second position in Boys' Singles Under 15 and Boys' Doubles Under 17. Tashvi Gupta won gold medal in Girls Singles Under 13 in Play All Junior Badminton Tournament in Noida from 10 to 11 December. The principal and teachers of the school congratulated the excellent presentation given by the students of the school.

निशानेबाजों के लिए प्रतिस्पर्धा करने और प्रतिभा दिखाने का अनूठा अवसरः मुकेश वशिष्ठ

Faridabad/Alive News

खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए, खेल में हार कोई मायने नहीं रखती। इसलिए मायूस न होकर अनुशासित तरीके से खेलते हुए उदाहरण पेश करना चाहिए। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री के मीडिया कार्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में स्पोर्ट्स फॉर ऑल फाऊंडेशन द्वारा आयोजित तीसरे एयर राइफल-पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कहे। चैंपियनशिप में देश भर से करीब 3000 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवा सशक्तिकरण और मार्गदर्शन के दृष्टिकोण की तर्ज पर स्पोर्ट्स फॉर ऑल फाउंडेशन का गठन हुआ है। 3 जनवरी से 9 जनवरी तक चलने वाला यह कार्यक्रम नये खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धा में भाग लेने और अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अनूठा अवसर है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा नई खेल नीति के कारण हरियाणा, देश ही नहीं, बल्कि विश्वभर में खेल हब के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। शहरों के साथ-साथ गांव स्तर पर भी खेल सुविधाओं में विस्तार किया जा रहा है। छोटी आयु से ही खेल में रुचि रखने वाले बच्चों को आवश्यक प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश भर में 440 खेल नर्सरियां स्थापित की गई हैं। कार्यक्रम में विंग कमांडर एचसी मान, भाजपा नेता खेमचंद शर्मा, धर्मपाल डागर, सुरेश डागर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

J.C. Bose University inaugurates 10th edition of ISFT-2024

Faridabad/Alive News

YMCA organized 10th International Symposium on Fusion of Science and Technology (ISFT-2020) . Faridabad will be inaugurated on January 5, 2024. University auditoriums including MMC Hall, Shakuntalam were identified as departmental conference halls for conducting technical, plenary and poster sessions. Conference coordinator Prof. Vikram Singh reviewed the final preparations for the conference today. On the first day of the conference, registration of delegates from different parts of the country and abroad took place and this process continued till late evening. The inaugural session will begin at 10 am on January 5, 2024. Dr. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana, Mahendragarh will be the chief guest at the inaugural session, while Mr. Kanwal Jeet Jawa, Managing Director and CEO will be there. To be there. , Daikin India will be the guest of honour. The session will be presided over by Professor Sushil Kumar Tomar, Vice Chancellor of JC Bose University. Dr. Waruni Srisongkram, RMUT,

Thailand, Lek G Kadeli United States Environmental Protection Agency, USA, Prof. Srikanth B Jonlagadda, University of KwaZulu-Natal, South Africa, Prof. Dinesh Kumar, Vice Chancellor, Gurugram University, Gurugram. Professor Naveen Kumar of DTU, Delhi will also address the session. Sh. President of the university's alumni association YMCA MOB, Sukhdev Singh, will also be present on this occasion. The summary book will be released in the inaugural session.Around 300 delegates from India and abroad are expected to participate in this international conference. Technical sessions will be conducted on the conference theme mainly in the areas of Mechanical Engineering, Computer Science and Information Technology, Advanced Materials, Science and Technology, Management, Biotechnology, Civil, Environmental and Architectural Engineering, Electrical and Electronics, Chemical Engineering and Polymers . Science and allied fields. As per the programme, registration of participants has started from today and will continue till the morning of the second day. Technical and plenary sessions will be held on the second and third days of the conference. A poster session will be organized on the third day of the conference. Information about the conference has also been made available on the university website www.jcboseust.ac.in.

इंटरनेशनल स्तर पर देश के लिए खेलेगी शिवाजी स्कूल की छात्रा तनीषा

Faridabad/Alive News

पर्वतीय कॉलोनी स्थित शिवाजी पब्लिक स्कूल की छात्रा तनीषा ने 67वें नेशनल स्कूल गेम्स 2023-24 ताइक्कांडो गर्ल्स अंडर-17 में पहला स्थान प्राप्त कर स्कूल जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। अब तनीषा इंटरनेशनल स्तर पर देश के लिए खेलेगी। इस उपलब्धि पर स्कूल के मैनेजर अरूण कुमार ने तनीषा तथा उनके अभिभावकों को बधाई दी। मध्यप्रदेश के बैतून में 5 जनवरी 2024 को आयोजित ताइक्कांडो प्रतियोगिता में तनीषा और महाराष्ट्र की खिलाड़ी तनुजा पवार के बीच फाइनल मुकाबला हुआ। नेशनल गेम में शिवाजी पब्लिक स्कूल की छात्रा तनीषा ने तनुजा पवार को हरा कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। इसके साथ ही तनीषा का चयन इंटरनेशनल स्तर पर हो गया है, अब वह देश के लिए

इंटरनेशनल स्तर पर खेलेगी। तनीषा द्वारा गोल्ड मेडल जीतने की खबर के बाद परिवार और स्कूल में खुशी की लहर है। स्कूल के मैनेजर अरुण

मध्यप्रदेश के बैतून में 5 जनवरी 2024 को आयोजित ताइक्कांडो प्रतियोगिता में तनीषा और महाराष्ट्र की खिलाड़ी तनुजा पवार के बीच फाइनल मुकाबला हुआ।

कुमार ने बताया कि तनीषा ने स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के लिए भी प्रेरित किया जाता है। तनीषा ने स्कूल को गौरवान्वित किया है। इससे बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि स्कूल विद्यार्थियों का सपोर्ट करता है, इसका ही परिणाम है कि स्कूल की छात्रा ने नेशनल स्तर पर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने एक बार फिर तनीषा के पिता पान सिंह और कोच को बधाई दी है।

J.C. Bose University organized international seminar

Faridabad/Alive News

J.C. The international symposium was organized at Bose University of Science and Technology in collaboration with the Society for Fusion of Science and Technology (SFST) and leading organizations including South Korea, Rajamangala University of Technology Suvarnabhumi (RMTS), Thailand, Kitenge Corporation, Gurugram University, Sri Vishwakarma. It is being done in partnership with. Kaushal University. The conference is being sponsored by Daikin Air-Conditioning, MV Electrosystems Limited, Bonny Polymer, Delhi Book Store, Narendra Book Agency and YMCA MOB.

Around 300 delegates from India and abroad are expected to participate in this international conference. There are 30 delegates coming from countries like the United States, South Korea, South Africa, Thailand, Italy, Japan, Iran, Germany, Portugal and Brazil.Giving information in this regard, Vice Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar said that this is the second time that the university will organize this international conference on a grand scale. He informed that the formal inauguration of ISFT-2024 will take place on January 5, 2024, followed by plenary and technical sessions. Dr. Tankeshwar Kumar, Vice-

Chancellor, Central University of Haryana, Mahendragarh will be the Chief Guest, while University Alumnus Mr. Kanwal Jeet Jawa, Managing Director and CEO, Daikin India will be the Guest of Honor at the inaugural ceremony.

Dr. Waruni Srisongkram, RMUT, Thailand, Sri Lek G Kadeli United States Environmental Protection Agency, USA, Prof. Srikanth B Jonlagadda, University of KwaZulu-Natal, South Africa, Prof. Dinesh Kumar, Vice Chancellor, Gurugram University, Gurugram, the session will also be addressed by Professor Naveen Kumar of DTU, Delhi. Sh. President of the university's alumni association YCMA MOB, Sukhdev Singh, will also be present. The Conference Book of Abstracts will be released on the opening day. Vice Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar said that it is a privilege for the university to become the host of ISFT-2024. International Symposium on Fusion of Science and Technology (ISFT) is a gathering place for the best talents in academia and research institutions, industry experts, management professionals, engineers and executives to collaborate and address current challenges to promote new horizons of science. Will provide the platform. , Engineering and technology for a sustainable future.

The conference will also foster a synergistic partnership between academia and industry and showcase the latest cutting-edge technology developments. He added.Elaborating about the conference, ISFT-2024 Convenor Professor Vikram Singh said that there will be 10 technical sessions and five plenary sessions during the conference, in which more than 200 papers written by about 250 researchers coming from across the country will be presented. Nation and over 10 different countries including the United States, South Korea, South Africa, Thailand, Italy, Japan, Iran, Germany, Portugal and Brazil. Similarly, a poster presentation will also be organized during the conference.

Faridabad News

नीलम फ्लाईओवर पर लगे जाम को लेकर सुरेश अरोड़ा ने दिया सुझाव

Faridabad/Alive News

नीलम फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के चलते 23 सितंबर को एक साइड पूरी तरह से बंद की गई थी जिसकी वजह से लोगों को बेहद परेशानियां हो रही है। यातायात पुलिस द्वारा फ्लाईओवर की दूसरी साइड को दो हिस्सों में बांटकर वाहनों के आने और जाने की व्यवस्था की गई थी परंतु ऐसे में नीलम फ्लाईओवर से आगमन करने वाले लोगों को लम्बे जाम का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को देखते हुए विभिन्न लोगों ने अपने सुझाव दिये है। जिसमे बताया जा रहा है कि नीलम चौक पर थोड़ी टेंपरेरी मोडिफिकेशन की जा सकती है। नीलम चौक से जब फ्लाइओवर पर चढ़ते हैं तो वाहनों को एक्यूट एंगल मिलता है।अगर डिवाइडिंग वर्ज थोड़ा सा हिस्सा हटा दिया जाए तो वाहनों को पुल पर चढ़ने में काफ़ी आसानी हो जायेगी।

डॉ सुरेश अरोड़ा, पूर्व प्रधान-आइएमए।

बिजली दरबार में विधायक ने सुनी गांव वासियों की शिकायते

Faridabad/Alive News

एनआईटी विधानसभा के गांव धौज में बिजली दरबार लगाया गया जिसमें विधायक नीरज शर्मा ने अधिकारियों संग गांव वासियों की शिकायते सुनी। इस दौरान बल्लभगढ़ कार्यकारी अभियंता संजय मंगला, नंगला एसडीओ, नंगला जेई एंव अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बिजली दरबार में गांव वासियों द्वारा अपनी समस्याओं को विधायक के सामने रखा। उनके सामने ज्यादातर समस्याएं बिजली बिलों और पानी निकासी की आई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। अधिकारी अपने स्तर पर समस्याओं का समाधान करेंगे तो लोगों की परेशानी कम होगी। बिजली दरबार में 51 शिकायतें गांव वासियों की आई, जिसमें से 23 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। जबकि बाकि समस्याओं को 15 दिन के अंदर एसडीओ को निर्देश दिए कि वह इन समस्याओं को समाधान कराएं। विधायक नीरज शर्मा ने अधिकारियों को शिकायतों के समाधान के सख्त निर्देश दिए। इस मौके पर साजिद सरपंच, हाजी इरशाद, वेदपाल सरपंच, निजामुद्दीन ब्लॉक सदस्य, जुनैद, इरफान, नूर मोहम्मद, भागवत कौशिक, गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सेवा कार्यों की श्रंखला में मानव सेवा समिति ने बांटे कंबल

Faridabad/Alive News

मानव सेवा समिति ने सेवा कार्यों की श्रंखला में मंगलवार को सेक्टर 29 सामुदायिक केंद्र में 18वां कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित करके 201जरूरतमंद भाई बहनों को कंबल प्रदान किए। मानव सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा,चेयरमैन अरुण बजाज ने कहा है कि मानव सेवा समिति अपनी 25 वीं वर्षगांठ ÷सेवा सहायता वर्ष÷ के रूप में मना रही है। इसकी शुरुआत कंबल बांट कर की गई है। महासचिव सुरेंद्र जग्गा ने कहा है कि इस सेवा वर्ष में 25 कार्य व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कंबल वितरण कार्यक्रम में संरक्षक एससी गोयल,कार्यक्रम संयोजक सुबोध नागपाल,पी डी गर्ग,अध्यक्ष कैलाश शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयनका, सलाहकार सुनील अग्रवाल, क्षेत्र प्रबंधक,धर्मवीर गुप्ता, एस एस बागला, सत्यवीर दहिया ने सहयोग प्रदान किया

रेन बसेरो और सड़कों पर गरीब बेसहारा व्यक्तिओं को बांटे गए कम्बल-डीसी

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि कडाके की ठण्ड से बचाव के लिए रेन बसेरो और सड़कों पर गरीब बेसहारा व्यक्तिओं को जिला रेड क्रॉस सोसाइटी व मरेन्गो एशियन अस्पताल सेक्टर- 16 द्वारा कम्बल वितरित किये गए। डीसी कम अध्यक्ष जिला रैडक्रास सोसायटी विक्रम सिंह (आईएएस) के निर्देशानुसार एसडीएम बल्लबगढ त्रिलोक चंद तथा सचिव जिला रैडक्रास सोसायटी विजेंद्र सौरोत के कुशल मार्गदर्शन में मरेन्गो एशियन अस्पताल की टीम के साथ फरीदाबाद शहर के रेन बसेरो व अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। जिसके दौरान खुले आसमान के नीचे सोने वाले गरीब व्यक्तिओं एवं रेन बसेरो में रुकने वाले व्यक्तिओं को भीषण ठण्ड से बचाव के लिए जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद व मरेन्गो एशियन अस्पताल द्वारा कम्बल वितरित किये गए। उपायुक्त विक्रम सिंह (आईएएस) ने लोगों से अपील की है कि इस कम्बल वितरण की मुहिम को अन्य अस्पताल व सामाजिक संस्थान इस भीषण ठंड से बचाव के लिए कंबल और गर्म कपड़े वितरण करने की नेक मुहिम में प्रशासन के साथ मिलकर चलें। ताकि जिला में ठंड से जीवन व्यापन करने वाले व्यक्ति को अपना जीवन सुरक्षित कर सके और ठंड से बचाव हो सके। उपमंडल अधिकारी बल्लबगढ़ त्रिलोक चंद ने बताया कि ठण्ड का प्रकोप बढ़ रहा है, ऐसे में कोई व्यक्ति ठण्ड से प्रभावित न हो, इसलिए जिला रेड क्रॉस सोसाइटी व मरेन्गो एशियन अस्पताल सेक्टर- 16 के सौजन्य से कम्बल वितरण का कार्यक्रम चलाया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव विजेंद्र सौरोत ने अपने सर्विस के अनुभव को सांझा करते हुए बताया कि जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा लगातार राहत शिविर के साथ साथ गतिविधियों को चलाया जा रहा है। इस कड़कड़ाती ठण्ड के समय कम्बल एवं गर्म कपड़े वितरण सामाजिक संस्थानों के सहयोग से किये जा रहे है।

सायरा भल्ला ने 'जॉइन द ऑर्गन रिवोल्यूशन' पहल की शुरूआत की

Faridabad/Alive News

मानव रचना शैक्षणिक संस्थान और डॉ. ओपी भल्ला फाउंडेशन की ओर से नए साल 2024 का शुभारंभ यज्ञ में सामूहिक आहुति के साथ किया गया। इस दौरान मानव रचना परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर 26 दिसंबर 2023 से शुरू हुए साप्ताहिक महामृत्युंजय यज्ञ में पूर्णाहुति दी। ये यज्ञ मानव रचना की विरासत और परंपरा का एक अभिन्न अंग है, जिसकी शुरुआत संस्थापक दूरदर्शी डॉ. ओपी भल्ला ने की थी।

यज्ञ की पूर्णाहुति के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के परिवहन, खान एवं भूविज्ञान, चुनाव और उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा सहित मुख्य संरक्षक सत्या भल्ला, अध्यक्ष एमआरईआई डॉ. प्रशांत भल्ला, एमआरईआई उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला, सभी कुलपति, कार्यकारी निदेशक, संस्थानों के प्रमुख, प्राचार्य, निदेशक और सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नए साल के मौके पर संस्थान में सायरा भल्ला ने डॉ. ओपी भल्ला फाउंडेशन के तत्वावधान में ÷अंगदान-जीवन दान÷ पहल की शुरुआत की। उन्होंने इस पहल के पीछे की प्रेरणा को साझा करते हुए कहा, देश में अंगदान को लेकर जागरूकता की कमी के चलते तीन लाख से ज्यादा लोग अंगदाताओं की प्रतीक्षा सूची में शामिल हैं, जबकि अंगदाताओं की कमी के चलते रोजाना कम से कम 20 लोग अपनी जान गंवा देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सभी लोग अंग दान के लिए प्रतिज्ञा लें दूसरों को भी जागरूक करें। इसी उद्देश्य के साथ हम इस पहल की शुरुआत कर रहे हैं।

नए साल के मौके पर डॉ. ओपी भल्ला फाउंडेशन को अंगदान के लिए 10 पंजीकरण प्राप्त हुए। 16 सितंबर 2023 को भी, ऑर्गन इंडिया के साथ डॉ. ओपी भल्ला फाउंडेशन की पहल के तहत 35 लोगों ने अंग दान के लिए पंजीकरण कराया था। इस दौरान अंगदान जागरूकता के लिए फाउंडेशन की ओर से एक पुस्तक का अनावरण भी किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मूलचंद शर्मा सहित महानिदेशक, एमआरईआई और उपाध्यक्ष डॉ. ओपी भल्ला फाउंडेशन डॉ. एनसी वाधवा, सायरा भल्ला व मानव रचना के अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि मूलचंद शर्मा ने नए साल के मौके पर सभी को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानव रचना का प्रदेश में बड़ा नाम है और ये संस्थान यज्ञ की परंपरा को कायम रखते हुए आगे बढ़ रहा है इसे देखकर काफी खुशी मिलती है। उन्होंने अंगदान की पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में नई शिक्षा नीति के साथ शिक्षा में एक नए युग की शुरुआत होगी, जो कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन 2030 लक्ष्यों की प्राप्ति में मददगार साबित होगा।

इस मौके पर संस्थापक, एमआरईआई सत्या भल्ला ने कहा कि नववर्ष पर यज्ञ की शुरुआत हमारे संस्थापक डॉ. ओपी भल्ला ने 17 साल पहले की थी, उन्हीं का अनुसरण करते हुए आज मानव रचना परिवार के सदस्यों ने पूर्णाहुति दी है। उन्होंने नववर्ष की सभी को शुभकामनाएं देते हुए सभी से अहंकार को छोड़कर संस्कारों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। हर साल, मानव रचना परिवार के सदस्यों को मानव रचना के साथ उनके 10 वर्षों के प्रतिबद्ध सहयोग के लिए सम्मानित करते हुए उनकी सराहना की जाती है। इस साल, संस्थान के 71 सदस्यों को शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में लगातार योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया।

सर्कल वर्क्स कमेटी केंद्रों का दौरा कर कर्मचारियों की समस्याएं जानी

Faridabad/Alive News

आज हरियाणा बिजली वितरण निगम के 66 केवी डाबरीवाला पावर हाउस सहित बिजली शिकायत केंद्र सेक्टर-24 पर बिजली कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं एवं उनके कुशलक्षेम को जानने के लिये एनआईटी फरीदाबाद डिवीजन के चेयरमैन रामकुमार देशवाल के नेतृत्व में अपनी सर्कल वर्क्स कमेटी की टीम के पदाधिकारियों के साथ हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्स यूनियन फरीदाबाद सर्कल सचिव विनोद शर्मा हालचाल जानने पहुंचे । कर्मचारियों को आगामी 2024 नव वर्ष की शुभकामनाएं दी जिसके बाद मीटिंग को करते हुए कर्मचारियों ने बताया कि ज्यादातर फील्ड में काम करने के दौरान टी एन्ड पी और साधन व संसाधन की समस्याएं आ रही हैं । इसके अलावा अन्य कार्यो को लिखित में नोट कर लिया गया जिसे समय रहते जल्द से जल्द अधीक्षण अभियंता फरीदाबाद से मिलकर कर इन्हें हल कराया जाने का बिजली कर्मचारियों को यूनियन की ओर से पूर्ण आश्वासन दिया । मीटिंग के इस मौके पर यूनिट सचिव लेखराज चौधरी, उपप्रधान शौकीन खान, सचिव सोनू गोला, कैशियर मुकेश शर्मा, संगठनकर्ता कुलदीप सिंह, प्रधान मदन गोपाल शर्मा, उपप्रधान धीरसिंह, प्रधान अशोक लाम्बा, धर्मेंदर, नैनसिंह, सतीश, महेन्दर, संदीप, टीसी गोयल, हरिशंकर प्रधान, सुरेश लाइनमैन, त्रिलोक लाइनमैन, जितेंदर लिनन, पवन लाइनमैन आदि भारी संख्या में बिजली कर्मचारियों ने मीटिंग में भाग लेकर अपनी अपनी समस्याएं सर्कल वर्क्स कमेटी के सम्मुख रखीं ।

यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को मिठाई खिलाकर किया प्रोत्साहित

Faridabad/Alive News

यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जिसमें यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को मिठाई खिलाकर प्रोत्साहित किया गया वहीं सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को पुष्प देकर यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि फरीदाबाद के विभिन्न स्कूल कॉलेज पार्क धर्मशाला इत्यादि सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।पुलिस अधिकारियों द्वारा नववर्ष पर आमजन को जागरूक करने के लिए नई पहल शुरू की है जिसके तहत यातायात पुलिस यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को मिठाई खिलाकर प्रोत्साहित कर रही है ताकि वह आगे भी इसी प्रकार यातायात नियमों का पालन करते रहे तथा वही यातायात नियमों की अवमानना करने वाले वाहन चालकों को फूल देकर उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है और उन्हें सड़क दुर्घटनाओं से बचाव तथा उपायों के बारे में बताया जा रहा है। पुलिसकर्मियों द्वारा वाहन चालकों को समझाया गया कि सर्दी के मौसम में धुंध के कारण दृश्यता में कमी आ जाती है जिसके कारण डिवाइडर या दूसरे वाहन आसानी से दिखाई नहीं देते और सड़क दुर्घटना घटित होने की संभावना बढ़ जाती है इसलिए आवश्यक है कि आप अपने वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं ताकि वाहन दूर से दिखाई दे। इसके साथ ही

अधिक तय गति सीमा से अधिक गति में यात्रा न करें ताकि गाड़ी को एकदम से रोकने में परेशानी का सामना न करना पड़े और वाहन दुर्घटनाग्रस्त न हो। सभी वाहन चालकों से अनुरोध किया गया कि वह यातायात नियमों का पालन करें तथा पुलिस के कार्यों में अपना सहयोग दें।

विजय प्रताप ने दी क्षेत्रवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं

Faridabad/Alive News

बडखल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे कांग्रेसी नेता विजय प्रताप ने क्षेत्रवासियों को नववर्ष 2024 की शुभकामनाएं दी और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि 2024 में फरीदाबाद के लोग खुशहाल, निरोगी, स्वस्थ्य एवं सुरक्षित रहें। इस मौके पर सुबह से फ़रीदाबाद के अलग-2 क्षेत्र से आने वाले लोगों ने नववर्ष की बधाई एवं आशीर्वाद दिया। विजय प्रताप ने सभी को 2024 में नए कार्य, नई योजनाओं पर काम करते उन्नति एवं तरक्की का रास्ता अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष पहले फरीदाबाद एनसीआर में सबसे आगे था लेकिन 1996 से लेकर 2005 की भाजपा समर्थित सरकार और अब 2014 से 2024 की भाजपा सरकार के अनदेखी एवं लापरवाह सरकार ने फरीदाबाद को एनसीआर में सबसे पीछे कर दिया है अब बाहर से आने वाले लोगो के लिए भी फ़रीदाबाद आखिरी पसंद रह गया है , उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार आने पर पुनः इसको अव्वल बनाने पर काम होगा । आज फरीदाबाद प्रदूषित शहरों की श्रेणी में शामिल है, लोगों के पीने के लिए शुद्ध पानी नहीं है और लोग जल जनित बीमारियों का शिकार हो रहे है। पूरा शहर आज भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी एवं अपराध से त्रस्त है। विजय प्रताप ने कहा कि 2024 बदलाव का वर्ष है और प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है।

26 से 28 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा तीसरा सांसद खेल महोत्सव

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को बेहतरीन मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र के सभी जूनियर और सीनियर खिलाडियों की इस खेलकूद प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित करें।

डीसी विक्रम ने कहा कि यह सांसद खेल महोत्सव 26 से 28 तक जनवरी फरीदाबाद और पलवल जिला में आयोजित किया जाएगा। डीसी विक्रम सिंह मंगलवार को अपने कार्यालय फरीदाबाद और जिला के प्रशासनिक और खेल अधिकारियो को तीसरे सांसद खेल महोत्सव के बेहतर क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे।

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि इस खेल महोत्सव को इस बार भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा और पिछले सालों की अपेक्षा दोगुने जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों को भागीदार बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार खेलों की संख्या और इनमें प्रतियोगिताओं के मद्देनजर खिलाड़ियों की संख्या 10 से 12 हजार से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए स्थान, नोडल अधिकारी व अन्य व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएगी। वहीं प्रत्येक गेम के साथ उसकी एसोसिएशन को भी जोड़ा गया है।

डीसी ने कहा कि इस बार के सांसद खेल

महोत्सव में 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 1500 मीटर, 5000 मीटर, लोंग जंग, ट्रिपल जंप, हाई जंप, रिले रेस (4 गुणा 100 व 4 गुणा 400 मीटर) शामिल हैं। वहीं थ्रो में शॉटपुट व जैवलिन थ्रो की प्रतियोगिता रहेगी। इसके अलावा फुटबाल, बास्केटबाल, वालीवाल, हॉकी, खो-खो, कबड्डी नेशनल, कबड्डी सर्किल, बैडमिंटन, रस्साकस्सी, पैरा बैडमिंटन, बॉक्सिंग, कुश्ती, टेबल टैनिस, तीरंदाजी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से भी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर क्लिक करें : https://hudle.in/pages/sansad-khel-mahotsav यह खेल महोत्सव आम लोगों को खेलों के साथ जोडने् का बहुत बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस खेल महोत्सव में अंडर-14, अंडर-19 व उसके उपर के खिलाड़ियों के वर्ग को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी खिलाड़ी हडल एप पर 4 मार्च से पहले अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके अलावा सेक्टर-12 में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित डीएसओ कार्यालय में भी खिलाड़ी अपना आवेदन दे सकते हैं। बैठक में केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के सचिव किरणपाल खटाना, एडीसी फरीदाबाद आनन्द शर्मा, एडीसी पलवल शाहिल गुप्ता, एसडीएम बडखल अमित मान, एसडीएम बल्लबगढ त्रिलोक चंद, फरीदाबाद के जिला खेल अधिकारी देवेन्द्र गुलिया, पलवल के जिला खेल अधिकारी अनिल कुमार सैणी, डीआईपीआरओ राकेश गौतम सहित सांसद खेल महोत्सव जुड़े अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

फरीदाबाद वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सचिव का जताया आभार

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद वेलफेयर एसोसिएशन की संपूर्ण टीम ने मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार के पूर्व राजनीतिक सचिव अजय गौड़ के निवास पर जाकर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गौड़ द्वारा खेड़ी पुल शमशान घाट की पार्किंग में इंटरलॉकिंग टाइल लगवाने एवं श्मशान घाट के अंदर एक नया ट्यूबवेल लगवाने पर उनका अभार व्यक्त किया। संस्था के सचिव नरेंद्र जैन ने बताया कि उनकी संस्था शमशान घाट का पूरा कार्यभार संभालती है। शमशान घाट में क्रिया कर्म के लिए आने वाले लोगों को पार्किंग की बहुत समस्या होती थी जिसका समाधान अजय गौड़ द्वारा करवाया गया है।इस मौके पर गौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल के आदेश पर 90 विधानसभा क्षेत्रों में बिना भेदभाव के विकास कार्य चल रहे है। मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद फरीदाबाद की सफाई व्यवस्था दुरूस्त हो गई है साथ ही खत्ता घरों को समाप्त कर सेल्फी प्वाईंटों का निर्माण चल रहा है तथा कुछ का हो चुका है।इस मौके पर राजेश अरोड़ा, शोभित अरोड़ा, के जी अग्रवाल, बिशन नागपाल, पवन खन्ना, महेन्द्र वर्मा एवं मुकेश सैनी उपस्थित थे।

कष्ट निवारण बैठक में एससी ने दिए आदेश, शिकायत का 7 दिन के अंदर हो निपटारा

Faridabad/Alive News

सेक्टर- 23 स्थित दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में बुधवार को उपभोक्ता कष्ट निवारण कमेटी की बैठक का आयोजन किया। इस दौरान दो शिकायत पहुंची। सेक्टर- 55 से आए अरूण यादव ने बताया कि वह बिजली मीटर से संबंधित शिकायत है। उनका मीटर शुरू नहीं हो पा रहा। जिसके चलते उन्हें परेशानी हो रही है। इस मामले में एसडीओं से शिकायत करने पर वह केवल आश्वासन देते है। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। वहीं, मुजेसर से आए रामकिशन ने बताया कि बिजली निगम द्वारा उन्हें गलत बिल भेजा जा रहा है। दोनों उपभेक्ताओं की शिकायत सुनने के बाद एसई नरेश कक्कड़ ने संबंधित एसडीओं को 7 दिन के अंदर शिकायत के समाधान का आदेश दिया।

वहीं, बदरौला में बिजली पोल

खड़ा करने को लेकर खेड़ी कलां एसडीओ ने कारण बताओ नोटिस का जबाब देते हुए बताया कि बदरौला में बिजली के झुके पोल खड़े कर दिए गए है और ट्रांसफार्मर की कमी को भी दूर कर दिया गया है। बदरौला में बिजली की सप्लाई सुचारू रूप से शुरू कर दी गई है। लोग बिजली निगम की कार्रवाई से संतुष्ट है। वहीं, एसई नरेश कक्कड़ का कहना है कि गुरूवार को एसडीओ और शिकायतकर्ता को कार्यालय बुलाया गया है। दोनों से बात करने के बाद ही शिकायत बंद की जाएगी

वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल का 26वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

Faridabad/Alive News

सेक्टर-46 स्थित वर्धमान इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल का 26 वां वार्षिकोत्सव जोश व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म अभिनेता एवं हरियाणवी कलाकार यशपाल शर्मा मौजूद रहे। इस अवसर पर स्कूल की डायरेक्टर कम प्रिंसिपल डा. सुमन जैन व कोर्डिनेटर वर्धमान जैन ने मुख्य अतिथि यशपाल शर्मा तथा श्रीमती प्रतिभा शर्मा का बुक्के देकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इसके अलावा रामपाल बल्हारा, घनश्याम दास शर्मा, राजू मान, हितेश शर्मा, कुलदीप सिंह, योगेश वत्स, नरेश वत्स, नरेन्द्र सिंह, विमला देवी, पीयूष ने भी कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। पहली परफार्मेन्स स्कूल के नन्हे-मुन्नों की रही जिसमें उन्होंने गुरु का महत्व अपनी डांस परफॉर्मेंस द्वारा प्रस्तुत किया। इसके बाद बच्चों ने देश की रक्षा करने वाले फौजियों द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्यों को नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया और राजस्थानी, हरियाणवी नृत्य भी किए। इसके बाद विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया क्रमशः फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम को लेकर एक लघु नाटिका भी प्रस्तुत की। जिसमें इन सबसे होने वाले प्रभावों के बारे में जागरूक किया। विद्यार्थियों ने विद्यालय पर आधारित बहुत ही सुंदर नाटक प्रस्तुत किया जिससे प्रभावित होकर मुख्य अतिथि यशपाल शर्मा ने भी बच्चों को उत्साह अपने भाषण द्वारा बढ़ाया।उपस्थित स्कूली बच्चों, अभिभावकों, अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए फिल्म अभिनेता यशपाल शर्मा ने कहा कि बच्चों को अपने संस्कार को जानने के लिए घर के बाद सबसे

अच्छा माध्यम स्कूल है। इस मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को जैसे हैड बॉय सिद्धार्थ और हैंड गर्ल अदिति भी सम्मानित किया गया। डांस प्रतियोगिता में मनीषा ने प्रथम, करीना ने द्वितीय व कनिष्का ने तृतीय स्थान रहे। इस अवसर पर स्कूल का समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर डायरेक्टर सुमन जैन ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों आभार व्यक्त किया।

फरीदाबाद में दवाइयों की धांधलेबाजी पर रोक लगाने में मदद करेगा ये एप

Faridabad/Alive News

जिले के मेडिकल स्टोर संचालक अब दवा बेचने और उसका रिकॉर्ड रखने में किसी प्रकार की कोई धांधलेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसे लेकर औषधि नियंत्रण विभाग सख्त हो गया है। सभी प्रकार की दवा के पूरे रिकॉर्ड को ऑनलाइन करने के लिए साथी नाम से एक एप तैयार किया है और प्रत्येक मेडिकल स्टोर संचालक को इसे अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर डाउनलोड करना आवश्यक होगा।

मेडिकल स्टोर संचालक ने किन-किन दवा का कितनी मात्रा में ऑर्डर दिया, कितना प्राप्त हुआ है और किस ग्राहक को बेचा, इसकी पूरी जानकारी एप पर अपलोड करनी होगी। ताकि दवा की आड़ में नशे के कारोबार पर अंकुश लग सके। प्रदेश सरकार नशे को रोकने के लिए काफी सक्रिय है। इसके चलते मेडिकल स्टोर संचालकों सहित नशे की तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस के सहयोग से जिला औषधि नियंत्रण विभाग अभियान चला रहा है। इसके अलावा मेडिकल स्टोर संचालकों को नशीली दवा एवं प्रतिबंधित दवा नहीं बेचने और दवा का रिकॉर्ड व्यवस्थित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिला औषधि नियंत्रण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले महीने में साथी एप का ट्रायल किया गया था। इसमें क्रियान्वयन को लेकर काफी समस्याएं आई थी। डॉक्टर द्वारा लिखा गया प्रिस्क्रिप्शन, रिकॉर्ड, मोबाइल नंबर सहित कई खामियां आ रही थी। इसे दूर करवाने के लिए विभाग अधिकारियों ने निदेशालय के साथ बैठक भी की है। एप की कमियों को दूर किया जा रहा है। एप की कमियां दूर होने के बाद दोबारा से ट्रायल होगा। यदि ट्रायल सफल रहा तो एप जिले के सभी 2500 मेडिकल स्टोर संचालकों के लिए आवश्यक होगा।

साथी एप के ट्रायल में कुछ खामियां पाई गई थी। उसे दूर किया जा रहा है। उसके बाद सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को यह एप डाउनलोड करना आवश्यक होगा। इसमें दवा के थोक विक्रेता भी शामिल हैं। सरकार रेफ्रिजरेटर में रखी जाने वाली दवा को लेकर भी गंभीर है। इसके चलते प्रत्येक के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाना भी आवश्यक है।

छात्रवृति के लिए मेधावी छात्र छात्रा करे ऑन-लाईन आवेदन

Faridabad/Alive News

डीसी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के युग में सरकार विद्यार्थियों को धनराशि से प्रोत्साहित कर रही है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग के जरिये दी लाभार्थी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन धनराशि दी जा रही है। डा.बी.आर.अम्बेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना के जरिये विद्यार्थियों को वजीफा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अन्त्योदय (सेवा) विभाग हरियाणा, पंचकूला द्वारा चलाई जा रही डा.बी.आर. अम्बेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना के वर्ष 2023-24 में छात्र/छात्राओं की छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन विभागीय पत्र वेबसाईट https://saralharyana.gov.in पर गत 01 जुलाई 2023 से 31 जनवरी 2024 तक प्राप्त किये जा रहे हैं।

डीसी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के युग में अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग, विमुक्त घुमन्तु, टपरीवास श्रेणी और अन्य वर्गो के छात्र/छात्राओं को सक्षम बनाने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान करना एवं मैट्रिक से स्नातकोत्तर कक्षाओं में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। जिनके लिये कुछ विवरण शर्तो का पालन किया जाना है।

जिला कल्याण अधिकारी सरफराज खान ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अनुसूचित जाति के लिए छात्रवृत्ति की आधार परीक्षा कक्षा, आधार परीक्षा में दसवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक लेने पर प्राप्त अंकों की प्रतिशतता की छात्रवृत्ति राशि- 8000 रुपये दी जाती है। वहीं बारहवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 75 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 70 प्रतिशत लेने पर छात्रवृत्ति राशि- 8000 से 10000 तक दी जाती है।

इसी प्रकार ग्रेजुएट के लिए शहरी क्षेत्रों में 65 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक लाने पर छात्रवृत्ति राशि- 9000 से 12000 तक छात्रवृत्ति दी जाती है। वहीं पिछड़ा वर्ग (ए0) जाति के लिए दसवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक लेने पर, पिछड़ा वर्ग (बी0) जाति के लिए दसवीं के लिए शहरी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों 75 प्रतिशत अंक लेने पर तथा समान्य वर्ग जाति के लिए शहरी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत अंक लेने पर छात्रवृत्ति राशि 8000 रुपये दी जाती है।

ये दस्तावेज हैं जरूरी

जिला कल्याण अधिकारी सरफराज खान ने आगे बताया कि इन योजनाओं के तहत छात्र/छात्रा द्वारा पास की गई पास की गई कक्षा की मार्कशीट, हरियाणा का स्थाई निवासी हो, जाति प्रमाण पत्र, फैमली आई.डी. व आधार कार्ड, बैंक खाता, वर्तमान कक्षा का आई.डी. कार्ड तथा माता-पिता तथा अभिभावक की 04 लाख से कम का आय प्रमाण होना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये जिला कल्याण अधिकारी, कार्यालय कमरा न0 408-409, चौथी मंजिल लघु सचिवालय सेक्टर 12 में सम्पर्क करें।

बीके अस्पताल में अब शाम को भी मिलेगी एक्स-रे की सुविधा

Faridabad/Alive News

बीके अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए शाम को भी एक्सरे की सुविधा शुरू कर दी गई है। विभाग की ओर से अस्पताल में दो रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति कर दी गई है। जिसके बाद से अब अस्पताल में मरीजों को दिनभर एक्सरे की सुविधा मिल सकेगी। फिलहाल जानकारी के अभाव में शाम की पारी में एक्सरे करवाने के लिए आने वाली मरीजों की संख्या बहुत कम बनी हुई है। नागरिक अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए दो एक्सरे मशीनें उपलब्ध हैं। यहां अभी तक रोजाना करीब डेढ से दो सो मरीज एक्सरे किए जाते थे। ऐसे में ओपीडी समय के बाद अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में आने वाले घायलों को भी एक्सरे करवाने के लिए बाहर भेजा जाता था। इसके अलावा अधिक भीड़ होने के कारण मरीजों को घंटों अपनी बारी कर इंतजार करना पड़ता था। अभी तक एक्सरे के लिए केवल एक रेडियोलॉजिस्ट को तैनात किया गया था, लेकिन अब जिला स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से अस्पताल में दो अन्य रेडियोलॉजिस्ट नियुक्त किए गए हैं। शुरुआती दौर में यह रेडियोलॉजिस्ट केवल मशीनी जानकारी ले रहे हैं, लेकिन मरीजों की सुविधा के लिए सुबह शाम एक्सरे की सुविधा शुरू कर दी गई है।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448